सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 236, नई दिल्ली । मंगलवार, 05 नवम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।

03 भाजपा के दो बार के पार्षद वरिष्ठ नेता बीबी सिंह हुए 'आप' में शामिल
06 बुजुर्गों की उपेक्षा करके हम स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं कर सकते
08 'हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले', कनाडा को पीएम मोदी का सख्त संदेश

आपके पास है 10 मिनट या खर्च करना चाहते हैं 10,000 रुपये?

प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र बचा सकती है मोटी रकम

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर एक बार फिर जहरीला हो गया है। देश की राजधानी में AQI यानी वायु-गुणवत्ता सूचकांक को बिगाड़ने में कई वजहें अपना योगदान करती हैं। लेकिन यहां अक्सर दोष का एक बड़ा वाहनों के मत्थे मढ़ा जाता है। इंजन से चलने वाले वाहनों से होने वाले टेलपाइप उत्सर्जन को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है। लेकिन कुछ अनुमेय सीमाएं हैं जिन्हें प्रदूषण-नियंत्रण (PUC) प्रमाणपत्रों द्वारा अनुमोदित किया जाता है जो सभी के लिए अनिवार्य हैं।

प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर नकेल

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में सिर्फ दो हफ्तों में 54,000 से ज्यादा वाहनों पर PUC (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल) (पीयूसी) सर्टिफिकेट की अवधि खत्म होने के कारण जुर्माना लगाया गया। शहर में अधिकारी प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर नकेल कस रहे हैं। इसलिए अब यह जांचने का सही समय है कि आपके वाहन के पास वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र है या नहीं। यह एक ऐसा कदम है जो आपके काफी पैसे बचा सकता है।

वैध पीयूसी के लिए जुर्माना राशि कितनी है?

दिल्ली परिवहन विभाग ने वैध पीयूसी के बिना चल रहे वाहनों को पकड़ने के लिए निगरानी प्रयासों को तेज कर दिया है। एक्सपायर हो चुके पीयूसी वाले किसी भी वाहन के लिए जुर्माना 10,000 रुपये तक है। कुछ स्थितियों में वाहन को जब्त भी किया जा सकता है। और बार-बार अपराध करने जैसी सबसे खराब स्थिति में वाहन के मालिक को छह महीने तक की जेल भी हो सकती है।

वैध पीयूसी कैसे हासिल करें?

पीयूसी हासिल करने के लिए बहुत कम प्रयास और समय की जरूरत होती है। और निश्चित रूप से, यह आपको पकड़े जाने पर भारी भरकम जुर्माना भरने की परेशानी से बचा सकता है। दिल्ली और अन्य जगहों पर भी बहुत सारे पीयूसी केंद्र हैं। किसी भी पीयूसी सेंटर में चले जाएं, अपना मोबाइल नंबर साझा करें, ओटीपी आने पर सेंटर को दे और आपका पीयूसी बन जाएगा।

एक बार जब आपको वैध पीयूसी मिल जाता है, तो आपको एक चेकिंग शुल्क देना पड़ता है। यह आम तौर पर निजी कारों के लिए लगभग 150 रुपये और निजी दोपहिया वाहनों के लिए 100 रुपये होता है। पीयूसी आमतौर पर वाहन की जांच के समय से एक वर्ष के लिए वैध होता है।

क्या आपका वाहन पीयूसी परीक्षण में फेल हो सकता है?

अगर टेलपाइप उत्सर्जन अनुमेय सीमा से ज्यादा है, तो वाहन जांच में फेल हो जाएगा। इसके लिए कोई जुर्माना नहीं है और परीक्षण शुल्क का भुगतान करने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, यह उस वाहन के मालिक पर निर्भर करता है कि वह इसके कारण का पता लगाने और उसे ठीक करने के लिए वाहन की जांच सर्विस सेंटर पर करवाएं।

क्या होती है इसकी वजह

टेलपाइप उत्सर्जन कई कारणों से ज्यादा हो सकता है। जिसमें गंदे फ्यूल इंजेक्टर, दोषपूर्ण इग्निशन सिस्टम और खराब स्पार्क प्लग से लेकर दोषपूर्ण ऑक्सीजन सेंसर तक शामिल हैं। यह भी ध्यान रखें कि वाहन के साइलेंसर को कोई भी नुकसान होने पर वाहन पीयूसी जाँच में फेल हो जाएगा।

यह दृढ़ता से अनुशंसा की जाती है कि अगर कोई वाहन पीयूसी जाँच में फेल रहता है, तो उसे पूरी जांच और मरम्मत के लिए किसी प्रमाणित सर्विस सेंटर में ले जाया जाए।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन पर बन रहा रिवर्सल प्लेटफार्म, बढ़ेंगे मेट्रो के फेरे

- दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने काम शुरू करवाया, अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक पूरा कराने का लक्ष्य
- मई से उपयोग में लाया जा सकेगा, 140 मीटर लंबा होगा ट्रैक

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। शहर में ब्लू लाइन के अंतिम मेट्रो स्टेशन इलेक्ट्रॉनिक सिटी पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन रिवर्सल प्लेटफार्म बनवा रहा है। इसके लिए मेट्रो स्टेशन व नेशनल हाईवे-24 के बीच नया ट्रैक बनाया जाएगा। इस ट्रैक के जरिए यहां पहुंचने वाली मेट्रो ट्रेन वापसी के लिए आसानी से मुड़कर उसी प्लेटफार्म पर लगाई जा सकेगी। साथ ही दूसरे प्लेटफार्म पर भी आसानी से पहुंच जाएगी। इससे अभी मेट्रो ट्रेन का प्लेटफार्म बदलने में लगने वाला समय बचेगा। इस समय की बचत का उपयोग मेट्रो कॉरपोरेशन ट्रेन के फेरे बढ़ाने के लिए कर सकेगा। वहीं, यांत्रियों को भी सहूलियत होगी। मेट्रो कॉरपोरेशन की तरफ से बताया गया कि यह ट्रैक करीब 140 मीटर लंबा होगा। अप्रैल के अंत में इसका निर्माण पूरा कर मई से उपयोग शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन ब्लू लाइन का मौजूदा समय में टर्मिनल स्टेशन है। यहां पर नोएडा के सेक्टर-62, 63 के संस्थानों में नौकरी के लिए आने वाले लोग व गाजियाबाद की बड़ी आबादी मेट्रो से जुड़ती है। इसके साथ ही नेशनल हाईवे पर बस के जरिए आने वाले लोग जिनका गंतव्य ब्लू लाइन मेट्रो के आस-पास रहता है वह भी आते जाते हैं। सुबह और शाम के व्यस्त समय में यहां पर यात्रियों की भीड़ रहती है। अभी स्थिति यह थी कि इस स्टेशन का एक ही प्लेटफार्म नंबर-1 ज्यादातर उपयोग में आता है। मेट्रो ट्रेन पहुंचते ही अंदर बैठे यात्री उतरने की जल्दी में होते हैं। वहीं, यहां से फिर दिल्ली की तरफ बाकी स्टेशन पर जाने के लिए प्लेटफार्म पर खड़े यात्री चढ़ने की जल्दी में रहते हैं। रिवर्सल प्लेटफार्म बन जाने से यहां पर आने वाली मेट्रो ट्रेन एक प्लेटफार्म पर यात्रियों को उतारकर आगे बढ़कर दूसरे प्लेटफार्म पर लग जाया करेगी। नया ट्रैक बनाने के लिए दो पिलर बनवाए जाने हैं। एक पिलर यहां नेशनल हाईवे के किनारे पहले से बना हुआ था। दूसरा पिलर नेशनल हाईवे के दूसरे छोर पर बनाया जा रहा है। इसके बाद दोनों पिलर को जोड़कर ट्रैक बिछाया जाएगा। नोएडा की सीमा में ब्लू लाइन मेट्रो के 12 स्टेशन हैं। इनमें बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन भी टर्मिनल व मजेंटा लाइन का इंटरचेंज स्टेशन है। लेकिन वहां पर भी अभी रिवर्सल प्लेटफार्म नहीं बना है।

दिल्ली के फेमस ब्रिज पर फिर मंडराया खतरा

एएसआई ने पीडब्ल्यूडी से मांगी मदद; 150 साल पहले हुआ था निर्माण

दिल्ली के मंगी ब्रिज के फिर से क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ गया है। ऊंचे वाहन ब्रिज की आर्च से टकरा रहे हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के प्रयास विफल रहे हैं। एएसआई ने लोक निर्माण विभाग से मदद मांगी है। ब्रिज के नीचे और आसपास सड़क का तल कम से कम चार फीट नीचे किए जाने की मांग की गई है।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगी ब्रिज के फिर से क्षतिग्रस्त हो जाने का खतरा बढ़ गया है। लालकिला के पीछे रिंग रोड पर स्थित कुछ समय पहले मरम्मत की गई इस ब्रिज की दाहिनी आर्च से फिर से ऊंचे वाहन गुजर रहे हैं। ऊंचे वाहन आर्च से टकरा रहे हैं।

वहीं, इस फेमस ब्रिज के क्षतिग्रस्त हो जाने का खतरा बढ़ने से लोगों की जान को भी खतरा बढ़ गया है। अब लोग इसके नीचे से निकलने से भी डर रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग से मांगी है मदद

बताया गया कि ब्रिज की इस आर्च को वाहनों से टकराने से बचाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सभी प्रयास फेल हो गए हैं। क्योंकि ऊंचे वाहनों को इस आर्च से गुजरने से रोकने के लिए ब्रिज के पास लगाया गया हाइट बैरियर एक माह में दो बार टूट चुका है। अब इस ब्रिज के नीचे और आसपास सड़क का तल कम से कम चार फीट नीचे किए जाने के लिए एएसआई ने लोक निर्माण विभाग से मदद मांगी है, इसे लेकर एएसआई ने पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखा है।

जर्जर हालत में पहुंच चुके मंगी ब्रिज को बचाने की कोशिश

जर्जर हालत में पहुंच चुके मंगी ब्रिज को बचाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने एक साल काम शुरू किया था। जिसके तहत ब्रिज के नीचे के भाग में मजबूती दी गई थी। इसके लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया गया है। ब्रिज के नीचे की तरफ क्षतिग्रस्त भाग को तैयार करने में स्टील के अर्ध चंद्राकार गार्डर डाले गए हैं। इसी तकनीक पर 2010 में इसी ब्रिज की बाईं आर्च को बचाया गया था।

यह बैरियर दो बार टूट चुका

एएसआई ने योजना के तहत ब्रिज के इस लेन से ऊंचे वाहनों के गुजरने पर प्रतिबंध लगाने के लिए ब्रिज से कुछ दूरी पर पहले ऊंचे हाइट बैरियर लगा दिया था। मगर ट्रकों द्वारा टक्कर मार दिए जाने से पिछले एक माह में यह बैरियर दो बार टूट चुका है। इस समय भी यह टूटा पड़ा है।

150 वर्ष पूर्व किया गया था इस ब्रिज का निर्माण

लालकिला के पीछे स्थित इस ब्रिज का निर्माण 150 वर्ष पूर्व किया गया था। इसका प्रयोग लालकिला से सलीमगढ़ किले में जाने के लिए किया जाता था। वर्तमान में इस ऐतिहासिक ब्रिज के नीचे से रिंग रोड गुजरता है। पुराना हो जाने से इस ब्रिज के ऊपर से कुछ साल से वाहनों का आवागमन बंद है।

कालका-शिमला ट्रेन को ग्रीन हाइड्रोजन से चलाने के लिए सीएम सुक्खू ने केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

राज्य सरकार ने रेल मंत्रालय से यूनेस्को विश्व धरोहर कालका-शिमला रेललाइन को ग्रीन हाइड्रोजन से संचालित करने की संभावना तलाशने का आग्रह किया है।

परिवहन विशेष न्यूज

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने रेल मंत्रालय से यूनेस्को विश्व धरोहर कालका-शिमला रेललाइन को ग्रीन हाइड्रोजन से संचालित करने की संभावना तलाशने का आग्रह किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने रेल मंत्रालय को इस ऐतिहासिक रेललाइन को ग्रीन एनर्जी संचालित रूट में बदलने पर विचार करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 31 मार्च 2026 तक प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में अनेक पहल की है।

छह सूत्रीय रणनीति के तहत कार्य कर रही सरकार: सुक्खू

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को प्रमाणित ग्रीन एनर्जी स्टेट में बदलने के लिए छह सूत्रीय रणनीति के तहत कार्य कर रही है। सरकार की यह पहल भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सरकार की रणनीतिक पहल के तहत सतत एवं अक्षय ऊर्जा का उपयोग कर पर्यावरणीय विकास को बढ़ावा प्रदान कर राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है।

ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों पर होगा काम: सीएम

सुक्खू ने कहा कि प्रदेश अपनी वर्तमान 1,500 मिलियन यूनिट थर्मल पावर खपत को हाइड्रो, सौर और पवन ऊर्जा सहित नवीकरणीय स्रोतों से बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में राज्य 13,500 मिलियन यूनिट बिजली की खपत करता है जिसकी एक बड़ी आपूर्ति पहले से ही नवीकरणीय स्रोतों से पूरी होती है। बिजली वितरण तंत्र में 90 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा खपत प्राप्त करने से हिमाचल को देश के पूर्ण रूप से हरित ऊर्जा राज्य के रूप में प्रमाणित किया जा सकेगा। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है और एक वर्ष के भीतर इस लक्ष्य को हासिल करने की संभावना है। इससे प्रदेश के उद्योगों को 'इको मार्क' के लिए आवेदन करने की भी अनुमति भी मिल सकेगी, जिससे उनके उत्पादों की मूल्य में वृद्धि होगी।

ग्रीन पंचायत योजना शुरू की: सुक्खू

उन्होंने कहा कि सरकार सौर ऊर्जा उत्पादन पर भी विशेष ध्यान दे रही है, जिसके तहत अगले चार से पांच वर्षों में 2,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा के उपयोग का लक्ष्य रखा गया है। पिछले दो वर्षों में सौर ऊर्जा उत्पादन दोगुना हो गया है, जो प्रदेश सरकार की स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने

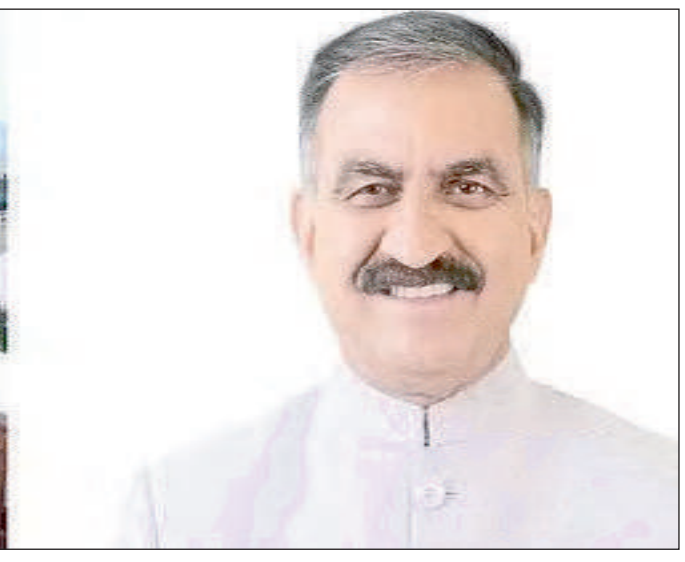

कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा की विकेंद्रीकरण पहल के तहत ग्रीन पंचायत योजना शुरू की है। इस योजना के तहत पंचायत स्तर पर 500 किलोवाट क्षमता के ग्रिड से जुड़े ग्राउंड माउंटेड सोलर पावर प्लांट लगाए जा रहे हैं। इसके तहत बिजली की बिक्री से होने वाली आय का उपयोग पर्यावरण अनुकूल और सत्त विकास परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।

1,500 बसों को इलेक्ट्रिक में बदला जाएगा

उन्होंने कहा कि राज्य ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के सहयोग से इस सुविधा का काम चल रहा है और इस तरह की अन्य सुविधाओं के लिए निजी निवेशकों के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की पहल के तहत हिमाचल पथ परिवहन निगम की 3,200 बसों के बेड़े में से 1,500 बसों को आगामी दो से तीन वर्षों में इलेक्ट्रिक बसों से बदला जा रहा है। सरकार के विभिन्न विभागों में डीजल और पेट्रोल वाहनों के बेड़े को भी इलेक्ट्रिक वाहनों में बदला जा रहा है।

छह एनएच को ग्रीन कॉरिडोर बनाया जा रहा

इसके अतिरिक्त, छह प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों को ई-वाहनों के संचालन के लिए ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित किया गया है। प्रदेश सरकार की महत्त्वाकांक्षी राजीव गांधी स्टार्टअप योजना के तहत, बेरोजगार युवाओं को इलैक्ट्रिक टैक्सी और बसें खरीदने के लिए 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है, इससे सरकारी सेवाओं में पर्यावरण अनुकूल वाहनों का संचालन सुनिश्चित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यावरण के अनुकूल उद्योगों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। राज्य सरकार की ओर से नए उद्योगों या मौजूदा उद्योगों के विस्तार के लिए सख्त मानक संचालन प्रणाली को लागू कर सभी प्रस्तावों का ध्यानपूर्वक मूल्यांकन किया जा रहा है।

वायु प्रदूषण की वजह से कम हो सकती है फर्टिलिटी एक्सपर्ट से जानें कैसे कर सकते हैं इससे बचाव

वायु प्रदूषण का बढ़ता स्तर सेहत के लिए कई तरीकों से खतरनाक साबित हो सकता है। प्रदूषण की वजह से सिर्फ फेफड़े ही नहीं बल्कि रिप्रोडक्टिव सिस्टम भी प्रभावित होता है जिस वजह से कंसीव करने में या प्रेग्नेंसी के दौरान काफी परेशानियां आ सकती हैं। आइए इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं कि क्या परेशानियां हो सकती हैं और इससे कैसे बचें।

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण आज दुनिया भर में एक गंभीर समस्या बन चुकी है। यह न केवल हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम को प्रभावित करते हैं, बल्कि हमारे रिप्रोडक्टिव सिस्टम को भी गहराई से प्रभावित कर सकता है। अब सवाल उठता है कि कैसे और इससे कैसे बचाव किया जा सकता है? इस सवाल का जवाब जानने के लिए हमने डॉ. आस्था दयाल (डायरेक्टर-आब्सटेट्रिक्स और गायनेकोलॉजी, सी. के. बिरला हॉस्पिटल, गुरुग्राम) से बात की। आइए जानें उन्होंने क्या बताया (Tips For Fertility Protection)।

वायु प्रदूषण कैसे फर्टिलिटी को प्रभावित कर सकता है?

डॉ. दयाल का कहना है कि वायु प्रदूषण महिलाओं और पुरुषों दोनों की ही फर्टिलिटी को प्रभावित कर सकता है। प्रदूषक तत्व, जैसे- PM2.5 पार्टिकुलेट मैटेर, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड रिप्रोडक्टिव हेल्थ को प्रभावित कर सकते हैं। इनके कारण हार्मोनल असंतुलन, स्पर्म और एग्स की गुणवत्ता कम होना शामिल है।

वायु प्रदूषण पुरुषों की फर्टिलिटी को कैसे प्रभावित करता है?

स्पर्म की गुणवत्ता में खराबी- वायु प्रदूषण में मौजूद हानिकारक कण और केमिकल स्पर्म की संख्या और गुणवत्ता को कम कर सकते हैं।

टेस्टोस्टेरोन के स्तर में कमी- वायु प्रदूषण टेस्टोस्टेरोन के स्तर को कम कर सकता है, जो पुरुषों की यौन इच्छा और रिप्रोडक्शन की क्षमता के लिए महत्वपूर्ण है।

डीएनए को नुकसान- वायु प्रदूषण में मौजूद केमिकल स्पर्म के डीएनए को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे अबॉर्शन और कनजेनिटल डिजीज का खतरा बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण महिलाओं की फर्टिलिटी को कैसे प्रभावित करता है?

अंडाणु की गुणवत्ता में कमी- वायु प्रदूषण अंडाणु की गुणवत्ता को कम कर सकता है और समय से पहले ओवरी फेलियर का खतरा बढ़ा सकता है।

हार्मोनल असंतुलन- वायु प्रदूषण महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकता है, जिससे अनियमित माहवारी और ओव्यूलेशन की समस्या हो सकती है।

गर्भपात का खतरा- गर्भावस्था के दौरान वायु प्रदूषण में ज्यादा समय तक रहने से गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है।

बच्चे के जन्म के समय कम वजन- वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से पैदा हुए बच्चे का वजन कम हो सकता है और शारीरिक विकास में देरी हो सकती है।

कैसे कर सकते हैं इससे बचाव?

रिप्रोडक्टिव सिस्टम पर प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए वायु प्रदूषण के संपर्क में कम से कम आने की कोशिश करें। आउट डोर एक्टिविटीज, जैसे- बाहर एक्सरसाइज या घूमना बंद कर दें, खासकर पॉल्युशन के पीक समय में। इसके अलावा, घर में एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करें ताकि घर में प्रदूषक कम हों। साथ ही, खाने में एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फल, सब्जियां और नट्स को अपनी डाइट में शामिल करें। ये प्रदूषण की वजह से होने वाले ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं। जो कपल कंसीव करना चाहते हैं, उन्हें स्मोकिंग और शराब पीना बिल्कुल बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये प्रदूषण से होने वाले नुकसान को और बढ़ा सकते हैं।

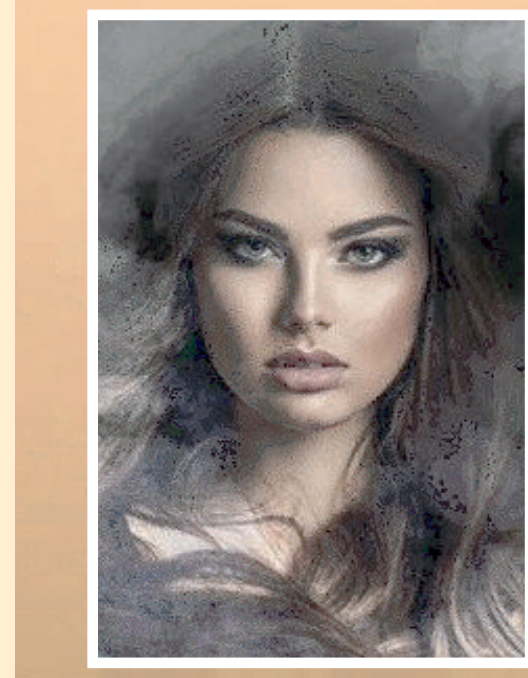

प्रदूषण पहुंचा सकता है बालों को नुकसान, इन 5 हेयर मास्क से भरें इनमें नई जान

प्रदूषण की वजह से बालों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इसकी वजह से बालों का टूटना-झड़ना और रूखा होने की समस्या हो सकती है। इसलिए इनसे बचाव करने के लिए कुछ हेयर मास्क का इस्तेमाल करना जरूरी है। ये हेयर मास्क बालों को पोषण देंगे और मजबूत बनाएंगे। आइए जानें इन हेयर मास्क के बारे में।

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण आजकल एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जो न सिर्फ हमारी सेहत बल्कि हमारे बालों को भी प्रभावित कर रही है। प्रदूषण के कारण बाल रूखे, बेजान और कमजोर हो जाते हैं। ऐसे में इससे बचने के लिए हेयर मास्क एक असरदार तरीका हो सकता है। आइए जानते हैं कैसे।

वायु प्रदूषण के बालों पर प्रभाव

रूखापन- प्रदूषण में मौजूद हानिकारक कण बालों की नमी को सोख लेते हैं जिससे वे रूखे और बेजान हो जाते हैं।

झड़ना- प्रदूषण से बालों की जड़ें कमजोर होती हैं जिसके कारण बाल झड़ने लगते हैं।

डैंड्रफ- प्रदूषण से स्कैल्प में जलन और खुजली होती है जिसके कारण डैंड्रफ की समस्या बढ़ जाती है।

बालों का रंग फीका पड़ना- प्रदूषण बालों के रंग को फीका कर देता है और ये सफेद होने शुरू हो सकते हैं।

हेयर मास्क क्यों हैं फायदेमंद?

हेयर मास्क बालों को पोषण देने और उन्हें मजबूत बनाने का एक नेचुरल तरीका है। ये मास्क बालों को नमी प्रदान करते हैं, उन्हें चमकदार बनाते हैं और डैंड्रफ से राहत दिलाते हैं।

वायु प्रदूषण से बालों को बचाने के लिए हेयर मास्क

आइए कुछ ऐसे हेयर मास्क के बारे में जानते हैं जो वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बालों को बचाने में मदद करते हैं-

एवोकाडो और अंडे का हेयर मास्क- एवोकाडो में विटामिन-ई और हेल्दी फैट्स होते हैं जो बालों को पोषण देते हैं। अंडा बालों को मजबूत बनाता है। इस मास्क को बनाने के लिए एक पका हुआ एवोकाडो और एक अंडे की जर्दी को अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को बालों पर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें।

दही और शहद का हेयर मास्क- दही में प्रोटीन होता है जो बालों को मजबूत बनाता है। शहद बालों को नमी प्रदान करता है। इस मास्क को बनाने के लिए दो चम्मच दही और एक चम्मच शहद को मिला लें। इस मिश्रण को बालों पर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें।

अलसी का हेयर मास्क- अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं जो बालों को चमकदार बनाते हैं। इस मास्क को बनाने के लिए अलसी के बीजों को पानी में उबाल लें। इस पानी को ठंडा करके बालों पर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें।

मेथी के बीजों का हेयर मास्क- मेथी के बीजों में प्रोटीन और निकोटिनिक एसिड होता है जो बालों को मजबूत बनाता है। इस मास्क को बनाने के लिए मेथी के बीजों को रात भर पानी में भिगो दें। सुबह इन बीजों को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों पर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें।

आंवला का हेयर माक- आंवला में विटामिन-सी होता है जो बालों को मजबूत बनाता है। इस मास्क को बनाने के लिए आंवले का पाउडर और पानी को मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों पर लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें।

इन टिप्स से भी मिलेगी मदद

प्रदूषण से बचने के लिए घर से निकलते समय स्कार्फ या टोपी पहनें।

नियमित रूप से बालों को धोएं।

बालों को सूखने के लिए हेयर ड्रायर का कम से कम इस्तेमाल करें।

बालों में तेल लगाएं।

हेल्दी डाइट लें।

भरपूर मात्रा में पानी पिएं।

छठ पूजा में खरना के दिन बनाई जाती है चावल की खीर, यहां देखें इसकी आसान रेसिपी

छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया की उपासना का एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है। यह मुख्य रूप से बिहार झारखंड उत्तर प्रदेश और नेपाल में मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान भोग में कई खास चीजें बनाई जाती हैं। ऐसे में आज हम आपको चावल की खीर बनाना सिखाएंगे जिसे खरना के दिन प्रसाद में शामिल किया जाता है।

नई दिल्ली। चावल की खीर छठ पूजा में खरना के दिन बनाई जाने वाली एक पारंपरिक मिठाई है। यह दूध, चावल और गुड़ से तैयार की जाती है। इस खीर को भगवान सूर्य और छठी मैया को अर्पित किया जाता है और फिर परिवार के सदस्यों द्वारा ग्रहण किया जाता है। इस खीर में मौजूद दूध और गुड़ शरीर को ऊर्जा देते हैं और व्रत के दौरान बॉडी को कई जरूरी पोषक तत्व भी मिल जाते हैं। आइए इस आर्टिकल में आपको इसे बनाने की आसान रेसिपी बताते हैं।

छठ पूजा प्रसादः चावली की खीर बनाने के लिए सामग्री

1 कप चावल (बासमती या अन्य चावल)
3 लीटर दूध (पूर्ण क्रीम)
200 ग्राम गुड़
5-6 इलायची (कुटी हुई)
10-12 बादाम (बारीक कटे हुए)
10-12 काजू (बारीक कटे हुए)
5-6 किशमिश
1/2 चम्मच देसी घी

छठ पूजा प्रसादः चावली की खीर बनाने की विधि

सबसे पहले चावल को अच्छी तरह धोकर कम से कम 30 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे चावल जल्दी पक जाएंगे।

अब एक भारी तले वाले बर्तन में दूध डालकर मध्यम आंच पर उबाल लें।

फिर जब दूध उबलने लगे तो इसमें भिगोए हुए चावल डाल दें और लगातार चलाते रहें ताकि दूध नीचे लग न जाए।

इसके बाद एक अलग बर्तन में थोड़ा सा पानी लेकर उसमें गुड़ घोल लें।

जब चावल लगभग आधे पक जाएं तो इसमें गुड़ का घोल डाल दें और अच्छी तरह मिलाएं।

अब इसमें इलायची पाउडर डाल दें और आंच को धीमी कर दें।

इस खीर को तब तक पकाएं जब तक कि चावल पूरी तरह से न पक जाएं और खीर गाढ़ी न हो जाए।

पूरी तरह पकने से 5 मिनट पहले इसमें बारीक कटे हुए बादाम, काजू और किशमिश डाल दें।

बस फिर आखिर में इस खीर में देसी घी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर दें।

स्पेशल टिप्स

खीर को लगातार चलाते रहें ताकि दूध नीचे न लगे और खीर जल न जाए।

गुड़ की मात्रा अपने स्वाद के अनुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं।

अगर आप खीर को ज्यादा गाढ़ा पसंद करते हैं तो आप थोड़ा और दूध उबालकर इसमें डाल सकते हैं।

आप खीर को बादाम और काजू से गार्निश कर सकते हैं।

आप चाहें तो ऊपर से थोड़ा सा इलायची पाउडर भी डाल सकते हैं।

छठ पूजा का आगाज़

इस छठ पूजा पर हो खुशियों का आगाज़,
हो दसों दिशाओं में इस पर्व का शंखनाद।
छठ पूजा के उत्साह व उमंग से हो उद्धार,
दें मानवता का संदेश, करे प्रकृति से प्यार!
इसे मनाने हे देशवासियों हो जाओ तैयार।

इस छठ पूजा पर हो खुशियों का आगाज़,
हो दसों दिशाओं में इस पर्व का शंखनाद।
जिसका रामायण व महाभारत में भी जिक्र।
रावण वध के पाप से मिली मुक्ति अतिरिक्त!
साथ हो ज़ब छठ मईया हम क्यों करें फ़क्रि।

इस छठ पूजा पर हो खुशियों का आगाज़,
हो दसों दिशाओं में इस पर्व का शंखनाद।
श्रीराम-सीता ने भी की थी पूजा हो आबद्ध,
करण की सूर्य उपासना का छठ से संबंध।
प्रकृति के छठे अंश के रूप में हैं अनुबंध।

इस छठ पूजा पर हो खुशियों का आगाज़,
हो दसों दिशाओं में इस पर्व का शंखनाद।
द्रौपदी ने पांडवों को राजपथ हेतु की पूजा,
मईया ब्रह्मा की मानस पुत्री न कोई दूजा।
सूर्य देव की बहन का त्यौहार हैं अनोखा,
दें मईया को अर्घ्य, करें कामना मिले स्वर्ग।

संजय एम. तराणेकर

सदियों से लोगों को लुभा रही यह स्वादिष्ट मिठाई, 'हलवे' से ही मिला इस पेशे को अपना नाम

फरमाइश होते ही घर में बन जाए पूरी गली में खुशबू भर जाए ऐसी शानदार चीज तो एक ही है और वह है हलवा। इस आर्टिकल में शेफ डॉ. सौरभ बता रहे हैं कि यह एक ऐसा व्यंजन है जिसने न सिर्फ एक पूरे पेशे का नामकरण कर दिया बल्कि मीठा बनाने-खाने में गरीब-अमीर का अंतर भी खत्म कर दिया। आइए जानें।

शेफ डॉ. सौरभ, नई दिल्ली। हिंदुस्तान में हजारों तरह की मिठाइयां हैं और उन्हें बनाने के सैकड़ों तरीके है, मगर हलवा (Halwa) जैसी सरल और सहूलियत भरी मिठाई दूसरी कोई नहीं। आटे अथवा सूजी के साथ अपने देसी घरेलू रूप में यह एक सोंधा खुशबूदार नाश्ता है- खाने में नरम, पचाने में हल्का और मीठा भी उतना ही जितना आप चाहें। वहीं हलवाई के हाथों में देसी घी के साथ मूंग की घुटाई-भुनाई और मेवों की बारिश के साथ यह विवाह का शानदार डेजर्ट बन जाता है। इस कलाकारी की वजह से ही तो भारत में दावत का खाना और मिठाई बनाने वाले विशेषज्ञ कारीगर को 'हलवाई' कहा जाता है!

स्वाद का लंबा सफर

यह जानना दिलचस्प है कि जिस मिठाई ने भारत में एक पेशेवर नाम को जन्म दिया, वह मूल रूप से अरब पाक परंपरा की देन है। 'हलवा' अरबी शब्द है, जिसका अर्थ होता है मीठा। अरब पाक परंपरा में इसके साक्ष्य मध्य-पूर्व एशिया में सातवीं शताब्दी के अब्बासी खिलाफत काल से मौजूद हैं और यह मानने की पर्याप्त वजहें हैं कि यह मुगलों के साथ भारत में मध्य-पूर्व एशिया और फारसी रसोई की कई व्यंजन परंपराओं के साथ आया। मगर भारत आकर यह मिठाई की हदबंदी से निकल कर संस्कृति का अंग बन गया। एक तरफ तो राजस्थानी राजघरानों में इसके साथ बादाम हलवा और मूंग दाल हलवा जैसे राजसी प्रयोग हुए, तो वहीं यह मंदिरों से लेकर गुरुद्वारों (कड़ा प्रसाद) तक, भंडारे से लेकर लंगर तक आम जनता के लिए प्रसाद के रूप में सामने आया। यही नहीं, भारत में तो आम बजट पेश करने से पहले एक बहुचर्चित 'हलवा रस्म' भी होती है, जिसमें केंद्रीय वित्तमंत्री और बड़े-बड़े अधिकारी हाथ बंटाते हैं।

एक ऐसा स्वाद जो दिल को छू ले

भारत में हलवा को स्थानीय सामग्रियों और स्वाद से ढाला गया, जिसके परिणामस्वरूप आज हम इसके कई रूपांतर देखते हैं। प्रमुखतः यहां हलवा में घी, चीनी, स्थानीय अनाज, दालें और गाजर-चुकंदर-कद्दू जैसी सब्जियों तक का उपयोग किया जाता है, जिससे यह अनोखी मिठाइयां विकसित हुईं जो भारतीय खाद्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन गईं। शायद यह शर्बत के बाद इकलौती ऐसी चीज है, जो गरीब-अमीर की रसोई में फर्क नहीं करती। हलवा मेरे दिल के हमेशा करीब रहा है, क्योंकि इसके साथ मेरे बचपन की यादें जुड़ी हैं। राजस्थान में मेरी मां सर्दियों में आटे का हलवा बनाती थीं। खासकर त्योहारों जैसे नवरात्र और दीवाली में इसका स्वाद और बढ़ जाता था। बचपन में हम अक्सर अपना जन्मदिन हलवा के केक के साथ मनाते थे और यही मेरी इसके साथ सबसे बेहतरीन याद है। जो गर्माहट, सुगंध और प्यार इसमें था, वह अब भी मेरी इंद्रियों में बसा हुआ है। एक और बात, जो मुझे दिल तक छू जाती है, वह है गुरुद्वारे में कड़ा प्रसाद बनाने की परंपरा। यह एक आध्यात्मिक अनुभव है, जब सभी आयु और वर्ग के लोग एक साथ आते हैं। इसे बनाने में जो भक्ति भावना होती है उससे सारा वातावरण पवित्र सुगंध से भर जाता है।

सर्दियों का साथी

आइए, अब गुलाबी सर्दियों के मौसम में भारत में इसके कुछ प्रसिद्ध संस्करणों का जायजा और जायका लेते हैं। इनमें सबसे मशहूर और घर-घर बनने वाली चीज है गाजर का हलवा। सर्दियों में जब देसी गाजर इफरात में आने लगती है, उत्तर भारत में इन्हें कद्दूकस करके दूध और चीनी में पकाया जाता है। इसमें स्वाद बढ़ाने के लिए इलायची और शान बढ़ाने के लिए खोया और काजू का इस्तेमाल भी होता है। इसी तरह राजस्थान में मशहूर है दाल का हलवा जिसमें मूंग जैसी दालें, घी और चीनी के साथ धीरे-धीरे पकाई जाती हैं। पंजाब की खास पहचान है सोंधा-सोंधा आटा हलवा, जो गेंहू से बनता है और बेहतरीन पौष्टिक नाश्ता है। इसी तरह कभी दक्षिण भारत की यात्रा पर निकलिए तो मिलेगा काशी हलवा, यह कद्दू से बनता है। खाने में स्वादिष्ट और पाचन में खूब हल्का। दरअसल हर क्षेत्र में हलवा बनाने की अपनी विशिष्ट सामग्री होती है, जो स्थानीय उत्पादन और खाद्य प्राथमिकताओं को दर्शाती है। उदाहरण के लिए केरल में आपको केरल ब्लैक हलवा मिलेगा, जो गुड़ और नारियल के तेल से बनता है!

हर संस्कृति में प्रिय

आज बाजार में डिब्बाबंद अथवा तुरंत तैयार होने वाला हलवा मिक्सचर भी मिलने लगा है। इसे भारतवंशी अधिक पसंद कर रहे हैं। इंस्टेंट हलवा सुविधाजनक तो है, मगर मेरा मानना है कि इसमें घर में बनने वाले व्यंजन का आत्मा नहीं है। धीमी पकाने की प्रक्रिया में एक खूबसूरती है, घी की भुनाई की खुशबू और स्वाद का धीरे-धीरे बनना। खैर, आसानी से बनने की वजह से विदेश में भी हलवा और इससे कई मिलते-जुलते व्यंजन हैं। मध्य पूर्व एशिया में तो आपके पास हलवा है ही, जो अक्सर ताहिनी या सूजी से बनाया जाता है। वहीं अधिकांशतः मौसम के ठंडे मिजाज वाले पश्चिमी देशों में ओट्स (जई) और दूध से पारिज (आप इसे दलिया अथवा लपसी जैसा मान सकते हैं) बनाया जाता है। यह मिठासयुक्त व्यंजन तो है ही, बच्चों और मरीजों के लिए बढ़िया नाश्ता भी है। ये विविधताएं दिखाती हैं कि सरल, मीठे, सुकून भरे खाद्य पदार्थ विश्व भर की संस्कृतियों में कितने प्रिय हैं।

स्वादिष्ट हलवा कैसे बनाएं?

हलवा बनाने की सबसे सामान्य गलतियों में से एक है आटे या सूजी को अच्छी तरह नहीं पकाना, जिससे कच्चा स्वाद आता है। दूसरी गलती घी की मात्रा को नियंत्रित न करना है, आप या तो इसे बहुत अधिक डाल देते हैं या बहुत कम। स्वादिष्ट हलवा की कुंजी है धैर्य, धीरे से भूनना और सामग्री के अनुपात को समझना। इसकी बनावट वसा, चीनी और तरल के अनुपात से प्रभावित होती है, इसलिए इनको हलवा की किस्म के अनुसार समायोजित करें। इलायची, केसर और दालचीनी जैसे मसाले इसके स्वाद को बढ़ाते हैं। इलायची सुगंध का मीठा स्पर्श देती है जो घी और चीनी की समृद्धता के साथ मेल खाता है। केसर गर्माहट और खूबसूरत रंग लाता है, जबकि दालचीनी मिठास के साथ हल्की तीक्ष्णता का संतुलन बनाती है। हलवा में हमेशा अच्छी गुणवत्ता का घी प्रयोग होना चाहिए, घर का घी है तो वह स्वादिष्ट और सुगंधित होगा। हलवे में सूखे मेवे का प्रयोग इसे लजीज बनाता है।

लक्ष्मी नगर से भाजपा के दो बार के पार्षद, स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष और नेता सदन रह चुके हैं बीबी त्यागी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी को एक के बाद एक बड़े झटके लग रहे हैं। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर पिछले चार दिन में दो बड़े नेता भाजपा छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दो बार के भाजपा से पार्षद, स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष और नेता सदन रह चुके बीबी त्यागी को आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता दिलाई। उन्होंने जॉइनिंग की तस्वीरें अपने एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए कहा कि बीबी त्यागी का आम आदमी पार्टी परिवार में स्वागत है। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पार्टी मुख्यालय पर उन्हें मीडिया के सामने पार्टी की टोपी और पटका पहनाते हुए इसकी घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली आज एक तरफ काम करने और दूसरी तरफ काम रोकने की राजनीति देख रही है, अरविंद केजरीवाल काम की राजनीति का चेहरा हैं। लोग चाहते हैं कि दिल्ली में अच्छे स्कूल, अस्पताल बनें और अरविंद केजरीवाल जनता के काम करवा रहे हैं, इसलिए लोग उनसे बहुत प्यार करते हैं। इस दौरान आम आदमी पार्टी के नेता और विधायक दुर्गेश पाठक भी मौजूद रहे।

दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मनीष सिसोदिया ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि मैं बीबी त्यागी का आम आदमी पार्टी परिवार, आम आदमी परिवार और अरविंद केजरीवाल की टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में स्वागत करता हूं। मुझे बहुत खुशी है, क्योंकि मैं बीबी त्यागी के काम और उनकी राजनीति को बहुत लंबे समय से देख रहा हूं। वह जमीन से जुड़े हुए नेता हैं। जब मैं खुद पत्रकार था, तो इनके क्षेत्र में ही रहता था और देखता था कि वहां एक नेता के रूप में यह किस तरह काम करते थे। मेरा भी हमेशा मन था कि बीबी त्यागी जैसी राजनीति करते हैं, उसकी सही जगह आम आदमी पार्टी में ही है।

मनीष सिसोदिया ने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पिछले दस साल से लोगों के लिए काम करने की राजनीति हो रही है। चाहे अनऑथराइज्ड कॉलोनियों में सड़कें बनवाना हो, झुग्गी झोपड़ियों में विकास की सुविधाएं देना हो, या फिर लोगों के जीवन की समस्याओं का व्यापक स्तर पर समाधान करना हो। चाहे वह बच्चों के लिए अच्छे सरकारी स्कूल बनवाना हो, या प्राइवेट स्कूलों की फीस को कम रखना हो। अस्पतालों में दवाइयां और टेस्ट मुफ्त कराकर लोगों का लाखों का बिल बचाना हो, या फिर उन्हें अच्छा इलाज देना हो। 24 घंटे बिजली देना हो, बिजली का बिल जीरो करना हो, और बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा कराना हो। ये सभी काम अरविंद केजरीवाल की काम करने की राजनीति का हिस्सा हैं। दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल को अपना भाई, बेटा, मित्र, और परिवार के एक मददगार के रूप में देखते हैं, क्योंकि वह उनके लिए काम करते हैं। उसी मुहिम में बीबी त्यागी, जो खुद भी उसी तरह की राजनीति करते रहे हैं, अब शामिल हो रहे हैं। इससे मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा लग रहा है, और पार्टी के लिए भी अच्छा लग रहा है कि अरविंद केजरीवाल का आम आदमी पार्टी परिवार बढ़ रहा है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि बीबी त्यागी को जमीन से जुड़े राजनीति का अच्छा अनुभव है। वह स्टैंडिंग कमिटी के दो बार काउंसलर रहे हैं, दो साल चेयरमैन रहे हैं, और दो साल नेता सदन रहे हैं। उन्होंने एमएलए का चुनाव भी लड़ा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि पार्टी को उनके अनुभव का लाभ मिलेगा, और जिस तरह की राजनीति आम आदमी पार्टी कर रही है, वह राजनीति करके दिल्ली के लोगों को भी इनकी राजनीति का फायदा मिलेगा।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि बड़े नेताओं का आम आदमी पार्टी में शामिल होने के सवाल पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस वक्त दिल्ली की जनता दो तरह की राजनीति देख रही है: एक है काम करने की राजनीति, और एक है काम रोकने की राजनीति। काम करने की राजनीति का चेहरा अरविंद केजरीवाल हैं। लोग काम करने की राजनीति पर भरोसा कर रहे हैं। जनता को लगता है कि राजनीति का मकसद लोगों के काम करना होना चाहिए। उन्हें अपनी सरकार और नेताओं से क्या चाहिए? अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल, सस्ती बिजली और बसों के कम किराए। गली-मोहल्लों की सड़कें सही हों, अच्छे काम हों। ये सारे काम अरविंद केजरीवाल करा रहे हैं। तो कहीं न कहीं यह अरविंद केजरीवाल के प्रति जनता के बढ़ते प्यार और सम्मान का प्रतीक है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि बड़े नेताओं का आम आदमी पार्टी में शामिल होने के सवाल पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस वक्त दिल्ली की जनता दो तरह की राजनीति देख रही है: एक है काम करने की राजनीति, और एक है काम रोकने की राजनीति। काम करने की राजनीति का चेहरा अरविंद केजरीवाल हैं। लोग काम करने की राजनीति पर भरोसा कर रहे हैं। जनता को लगता है कि राजनीति का मकसद लोगों के काम करना होना चाहिए। उन्हें अपनी सरकार और नेताओं से क्या चाहिए? अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल, सस्ती बिजली और बसों के कम किराए। गली-मोहल्लों की सड़कें सही हों, अच्छे काम हों। ये सारे काम अरविंद केजरीवाल करा रहे हैं। तो कहीं न कहीं यह अरविंद केजरीवाल के प्रति जनता के बढ़ते प्यार और सम्मान का प्रतीक है।

वहीं, 'आप' नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। पिछले कई दिनों से आम आदमी पार्टी परिवार में दिल्ली और दिल्ली के मुद्दों पर संघर्ष करने वाले कई बड़े-बड़े लोग शामिल हो रहे हैं। कुछ दिन पहले ब्रह्म सिंह तंवर पार्टी में शामिल हुए थे। उसी कड़ी में आज दिल्ली के प्रमुख चेहरे बीबी त्यागी आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। बीबी त्यागी लक्ष्मी नगर से दो बार काउंसलर रह चुके हैं, स्टैंडिंग कमिटी के सदस्य भी रहे हैं, और नेता सदन का पद भी संभाला है। लोग इन्हें अच्छी तरह से जानते हैं। ये पूरी ईस्ट दिल्ली में एक बड़ा नाम हैं, और इनके कामों से हर कोई परिचित है। ये हमेशा लोगों के बीच उपलब्ध रहते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए लगातार संघर्ष करते हैं। इनके शामिल होने से आम आदमी पार्टी परिवार को बहुत खुशी मिलेगी, और 'आप' परिवार को और अच्छे से काम करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

इस दौरान बीबी त्यागी ने कहा कि मैं लंबे समय से भाजपा में काम कर रहा था, लेकिन आम आदमी पार्टी लोगों के उत्थान के लिए जो काम कर रही थी और उन्हें सुविधाएं दे रही थी, उससे मैं बहुत प्रभावित था। आम नागरिकों को अपने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा चाहिए, और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उनके लिए अच्छे स्कूल बनाए हैं। इसके अलावा भी आम आदमी पार्टी लोगों को फ्री बिजली, पानी, महिलाओं की फ्री बस यात्रा समेत अनेक सुविधाएं दे रही है। इसने मुझे प्रभावित किया। मुझे जनता के बीच जाकर उनकी सेवा करनी है, और इसके लिए आम आदमी पार्टी से बेहतर कोई और पार्टी नहीं हो सकती। यह सब सोचते हुए मैंने सोचा कि अगर मैं कुछ लोगों का भी भला अच्छे से कर पाया, तो मेरा पार्टी में शामिल होना सफल हो जाएगा। यहां पहले से सब अच्छा काम कर रहे हैं, और मुझे इसमें और इजाफा ही कराना है। इसलिए मैंने आम आदमी पार्टी को ज्वाइन किया है।

भाजपा के बड़े नेता बीबी त्यागी आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उन्हें पार्टी में शामिल कराया। बीबी त्यागी लक्ष्मी नगर से दो बार भाजपा के पार्षद रह चुके हैं। वह दो साल एमसीडी की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। साथ ही, वह दो बार नेता सदन भी रह चुके हैं। बीबी त्यागी ने 2015 में लक्ष्मी नगर विधानसभा से बीजेपी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव भी लड़ा था। इस चुनाव में वह मात्र 5 हजार वोटों से आप उम्मीदवार नितिन त्यागी से हारे थे। बता दें कि यह पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी में तीसरी बड़ी जॉइनिंग है। इससे पहले भाजपा नेता ब्रह्म सिंह तंवर और कांग्रेस नेता जुबैर अहमद आम आदमी पार्टी में शामिल हो चुके हैं।

पेरिका सुरेश तेलंगाना सेपक टकराव संघ के अध्यक्ष निर्वाचित

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। पेरिका सुरेश कुमार को तेलंगाना सेपक टकराव संघ का राज्य अध्यक्ष चुना गया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया खेलो अभियान चलाया जा रहा है। श्री सुरेश ने केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सेपक टकराव को मजबूती प्रदान करने का वचन दिया। 3 नवंबर को फतेह मैदान हैदराबाद में यह चुनाव संपन्न हुआ, जहां 21 सदस्यों वाली एक नई समिति चुनी गई। तेलंगाना सेपक टकराव तदर्थ समिति के अध्यक्ष जगन्नाथ स्वामी की देखरेख में हुए चुनाव की देखरेख रिटर्निंग ऑफिसर डी.एल. नरसिम्हा राव ने की, तेलंगाना खेल प्राधिकरण से ओमकार यादव पर्यवेक्षक के रूप में और ओलंपिक संघ से पराग वडवीकर पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। नई समिति का कार्यकाल चार साल का होगा।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश कुमार ने सेपक टकराव खेल को बढ़ावा देने और राज्य में इसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊपर उठाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।नवनिर्वाचित समिति में उपाध्यक्ष जगन्नाथ स्वामी, श्रीधर, संजीव रेड्डी और कंचरला अनीता महासचिव, श्रीनिवास रेड्डी संयुक्त सचिव, जितेंद्र नाथ, जरीफुद्दीन, विजय भास्कर रेड्डी और सिरीशा शामिल हैं। आयोजन सचिव कोरीडे श्रीकांत, कोषाध्यक्ष मीनम विकेश कुमार, सहित आठ अन्य कार्यकारी सदस्य भी इस संगठन में शामिल हैं।

धूमधाम से छठ महापर्व का आयोजन करवा रही है "आप"

सुषमा रानी

नई दिल्ली। हर साल की तरह इस साल भी दिल्ली में भव्यता के साथ छठ महापर्व का आयोजन हो सके इस दिशा में ₹आप₹ सरकार के सभी संबंधित विभाग युद्धस्तर पर काम कर रहे है। इस श्रृंखला में मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को ग्राउंड जीरो पर उतरकर आईटीओ स्थित छठ घाट का दौरा किया और वहाँ चल रही तैयारियों का जायज़ा लिया।

इस मौक़े पर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली में छठ महापर्व की तैयारियों में कोई कमी न रहे, इस दिशा में दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, विधायक और विभाग शहर भर में छठ घाटों का निरीक्षण कर रहे है। सीएम आतिशी ने कहा कि, छठ का त्यौहार पूर्वांचली भाइयों-बहनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण त्यौहार है। छठी मइयाँ के साथ पूर्वांचली भाइयों-बहनों के साथ-साथ सभी दिल्लीवालों की आस्था भी जुड़ी हुई है।

उन्होंने कहा कि, दिल्ली में जब से अरविंद केजरीवाल की सरकार बनी है, तब से दिल्ली में छठ महापर्व को जो सम्मान दिया गया है वो पहले किसी सरकार ने नहीं दिया। 2014 तक पूरी दिल्ली में मात्र 60 जगहों पर दिल्ली सरकार द्वारा छठ घाटों का निर्माण होता था।

लेकिन अब अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्ली भर में 1000 से ज़्यादा स्थानों पर दिल्ली सरकार द्वारा शानदार छठ घाट बनाये

जाते है। जहाँ पूरा इंतज़ाम दिल्ली सरकार द्वारा देखा जाता है।

सीएम आतिशी ने कहा कि, ₹आज मैं आईटीओ स्थित इस छठ घाट पर तैयारियों का निरीक्षण करने आई हूँ। उन्होंने कहा कि, ये छठ घाट दिल्ली के सबसे महत्वपूर्ण छठ घाटों में से एक है जहाँ, लाखों श्रद्धालु छठी मइयाँ की पूजा के लिए आते है।

सीएम आतिशी ने कहा कि इस क्रम में सारे विधायक और मंत्री भी लगातार सभी छठ घाट का निरीक्षण कर रहे है। हम उम्मीद करते है कि छठी मइयाँ का आशीर्वाद सभी दिल्ली वालों पर बना रहे।

बता दे कि, दिल्ली सरकार द्वारा शहर भर में 1000 से ज़्यादा घाट तैयार किए गए है ताकि दिल्ली में किसी भी व्यक्ति को छठ का त्यौहार मनाने के लिए अपने घर से दूर न जाना पड़े। इस घाटों पर तालाब बनाने से लेकर यहाँ टेंट, लाइट्स, साफ़-सफ़ाई, सुरक्षा आदि सभी चीजों का इंतज़ाम दिल्ली सरकार द्वारा किया जा रहा है।

साथ ही बहुत से घाटों पर मैथली-भोजपुरी अकादमी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। ताकि श्रद्धालु ख़ुशी, सुकून और उल्लास के साथ आस्था के महापर्व छठ को मना सके।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि, तेजी के साथ सभी छठ घाट तैयार किए जाए ताकि आख़िरी दिन के लिए कोई काम न बचे और श्रद्धालुओं को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

गंभीर वायु और जल प्रदूषण के चलते आतिशी सरकार पूर्वांचल श्रद्धालुओं आस्था को देखते हुए यमुना में जल्द स्वच्छ जल की व्यवस्था करें : देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि छठ पूजा पर्व को सिर्फ तीन दिन है, पूर्वांचलवासी छठ श्रद्धालु जहरीली यमुना के अमोनियायुक्त पानी से बेहद चिंतित हैं, जल और वायु प्रदूषण से लोगों में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि छठ श्रद्धालुओं की आस्था के प्रति आतिशी सरकार यह सुनिश्चित करे कि पूर्वांचल भाई बहनों के लिए यमुना में स्वच्छ और साफ जल की व्यवस्था 6 नवम्बर तक होनी चाहिए, इसके लिए आम आदमी पार्टी को अपनी बदले की राजनीति से हटकर हरियाणा सरकार से पानी छोड़ने का आग्रह करना होगा।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार और भाजपा नेताओं के बीच जुबानी जंग चल रही है। दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने छठ पूजा के लिए अभी तक कोई तैयारी नही की है। उन्होंने कहा कि छठ पर्व पर हर वर्ष छठ श्रद्धालु दिल्ली सरकार की विफलताओं के कारण छठ पर्व पर सायं और प्रातः की पूजा करते हुए दोहरे प्रदूषण वायु और जहरीले दूषित पानी को झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार का विंटर एक्शन प्लान वायु प्रदूषण को रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार प्रत्येक वर्ष जल और वायु के गंभीर प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अनेक प्रस्ताव लेकर आती है, लेकिन केजरीवाल की सभी ठोस योजनाएं परिस्थितियों में सुधार करने में तब्दील नहीं हो पाती हैं जिसके कारण लोग प्रदूषण से गंभीर तौर पर प्रभावित हो रहे है और खतरनाक प्रदूषण बच्चों के फेंफड़ों पर गंभीर रुप से दुष्प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, मुख्यमंत्री आतिशी सहित मंत्री, विधायक और इनके सांसद लोगों की परेशानियों को प्रमुखता से दूर करने की जगह पदयात्राओं को प्राथमिकता देकर जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया है।

यादव ने कहा कि केजरीवाल रहनुमाई वाली आतिशी सरकार का कार्यकाल समाप्त होने में चार महीने से भी कम का समय बचा है। प्रदूषण से निपटने के लिए एक बार फिर प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को तेज करने के लिए सात कार्य योजनाओं की घोषणा दिल्ली वालों को गुमराह करने का प्रयास साबित होगा। आतिशी सरकार पूरानी योजनाओं को पूरा न करके नए सिरे से नई योजना के तहत पक्के और हरित रास्ते विकसित करना, सभी सड़कों के लिए रास्ते के अधिकार के साथ-साथ पैदल मार्ग और खुली जगह बनाने की घोषणा सरकार पर सवाल खड़े करती है कि पिछले 11 वर्षों में ऐसी योजनाओं को क्रियान्वित क्यों नहीं किया गया तथा प्रदूषण नियंत्रण की कोई भी योजना सफल क्यों नही हुई? उन्होंने कहा कि अगर टूटी हुई सड़कों को भी पक्का कर दिया जाए, तो कुछ हद तक धूल प्रदूषण पर अंकुश लगाया जा सकता है। केजरीवाल ने जो दिवाली से पहले सभी सड़कों को ठीक कराने का वादा किया था, वह भी केजरीवाल के अन्य सभी वादों की तरह की तरह ही कागजों पर ही रह गया।

"दिल्ली न्याय यात्रा केजरीवाल और भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और विफलताओं को पूरी तरह से उजागर करेगी"

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्लीवालों से अपील की कि पिछले 11 वर्षों से जनता के साथ लगतार बढ़ते अन्याय के खिलाफ अभियान दिल्ली न्याय यात्रा में शामिल होकर कांग्रेस पार्टी की न्याय की आवाज को बुलंद करे। दिल्ली कांग्रेस जन नायक राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर 8 नवम्बर, 2024 से एक महीने तक चलने वाली दिल्ली न्याय यात्रा की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि राजघाट से शुरु करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में ''दिल्ली न्याय यात्रा'' दिल्ली की 70 विधानसभाओं के सभी 250 वार्डों, कैंट एरिया के 8 वार्डों और एनडीएमसी के समस्त क्षेत्र को कवर करते हुए चार चरणों में निकाली जाएगी। महीने भर की दिल्ली न्याय यात्रा चॉदनी चौक विधानसभा से शुरु 8 नवम्बर को शुरु होकर तिमार पुर विधानसभा में 4 दिसम्बर को खत्म होगी। दिल्ली न्याय यात्रा में जहां दिल्ली कांग्रेस के हजारों सक्रिय कार्यकर्ता हिस्सा बनेंगे, वही प्रत्येक बूथ और वार्डों से सैंकड़ों कांग्रेस समर्थित लोग भी दिल्ली न्याय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सम्पर्क साध रहे हैं।

यादव दिल्ली न्याय यात्रा के संबंध में प्रदेश कार्यालय में लगातार पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, जिला एवं ब्लाक अध्यक्ष, निगम पार्षद, पूर्व निगम पार्षदों सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे है। है। प्रत्येक विधानसभा में जिला अध्यक्षों, पूर्व विधायकों, पूर्व निगम पार्षदों, ब्लाक अध्यक्षों, निगम पार्षदों, अग्रिम संगठनों युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवा दल और एनएसयूआई सहित सेल, विभागों के चेयरमैन, पदाधिकारियों ने न्याय यात्रा को व्यवस्थित तरीके से हर दरवाजे तक पहुँचाने की रूपरेखा लगभग तैयार कर ली है। श्री यादव ने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा के बाद कांग्रेस दिल्ली में इतिहास रचेगी, क्योंकि यात्रा के दौरान हम जनता के बीच जाकर जनता से उनकी परेशानियों की भी चर्चा करेंगे।

यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा पिछले 11 वर्षों से लगातार दिल्ली की जनता के साथ दोहरी राजनीति का खेल खेल रही हैं जिसके कारण कांग्रेस द्वारा बनाई गई विकसित दिल्ली विकास के मामले में 50 वर्ष पीछे धकेल दिया है। दिल्ली कांग्रेस 15 वर्षों के अपने शासन के दौरान किए विकास को एक बार फिर नई रफ्तार देने और दिल्ली की जनता को इसके साथ जोड़कर आम आदमी पार्टी और भाजपा के खिलाफ जनता के अधिकारों की लड़ाई की शुरुआत करेगी।

उन्होंने कहा कि 11 वर्षों में जहां भाजपा ने महंगाई और बेरोजगारी को खत्म करने में निष्क्रियता दिखाकर पिछले 75 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है और लोगों के अधिकारों की रक्षा करने लिए बनाए गए लोकतंत्र को कमजोर बनाने का काम किया है। वहीं आम आदमी पार्टी झूठे वादों करके सिर्फ दिल्ली की जनता को ठगने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा दोनो संविधान विरोधी है, जबकि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा बाबा साहेब द्वारा बनाए गए संविधान की रक्षा करने को अपना नैतिक कर्तव्य माना है। जनता कांग्रेस द्वारा विकसित जिस दिल्ली को अभिमान समझती थी, आज वहीं दिल्ली अन्याय, भ्रष्टाचार, बदहाली, और कुशासन की जंजीरों में फंस चुकी है, जिसके लिए भाजपा और आम आदमी पार्टी पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सत्ता वापसी का एजेंडा भी तय करेगी।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी और के गतिशील नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लगातार लड़ाई लड़ रही है क्योंकि भाजपा और आम आदमी पार्टी संविधान और लोकतंत्र में देशवासियों को दिए गए अधिकारों कमजोर और नष्ट करने का कर रहे है। भाजपा दलितों, वंचितों, पिछड़ों, गरीबों, की जीवनशैली समृद्ध बनाने की जगह पूंजीपति संरक्षण नीति के तहत उनकी रोजी रोटी को छीनने का काम कर रही है जिससे देश 95 प्रतिशत जनसंख्या प्रभावित हो रही है।

उन्होंने कहा कि "दिल्लीवालों आओ-दिल्ली चलाओ" आउटरीच कार्यक्रम के तहत दिल्ली वालों से आगामी घोषणा पत्र के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा दिल्ली के प्रत्येक निवासी से मिलने वाले सुझाव के बाद आगामी विधानसभा चुनाव की परिस्थितियां पूरी तरह उजागर हो रही है कि जनता आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल को अब कोई मौका नही देना चाहती, जबकि भाजपा का अपना निश्चित वोट बैंक जो पिछले 26 वर्षों से दिल्ली की सत्ता के लिए संघर्ष कर रही है।

"दिल्लीवालों आओ-दिल्ली चलाओ" कार्यक्रम के तहत मिल रही जानकारी के अनुसार दिल्ली में आगामी सरकार कांग्रेस की बनने जा रही है और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द यादव के नेतृत्व में एक महीने की दिल्ली न्याय यात्रा दिल्ली में पूर्ण बहुमत के साथ जीत की गारंटी साबित होगी।

सांसों पर संकट! AQI पहुंचा 368 के पार, आंखों में जलन से गाजियाबाद के लोगों का बुरा हाल

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई बढ़ने से लोगों की चिंता लगातार बढ़ रही है। वहीं गाजियाबाद जिले में लोनी और वसुंधरा रेड जोन में पहुंच गए हैं। बताया गया कि लोनी का एक्यूआई सर्वाधिक 369 दर्ज किया गया जबकि वसुंधरा का AQI 312 दर्ज किया गया है। गाजियाबाद के ये दोनों सेंटर रेड जोन में बने रहे। आगे विस्तार से पढ़िए पूरी खबर।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में जिले के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई AQI) सोमवार को 295 दर्ज किया गया। जिले में लोनी का एक्यूआई (Air Quality Index) सर्वाधिक 369 और वसुंधरा का एक्यूआई 312 दर्ज किया गया। ये दोनों सेंटर रेड जोन में बने रहे। एक्यूआई में इजाफा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोनी के हालात खराब

जिले में ग्रेप (ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान) लागू होने के बाद से ही हवा केवल एक दिन ही मध्यम श्रेणी में रही है। बाकी दिन खराब व बेहद खराब दर्ज की गई है। लोनी का वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार को 353 दर्ज किया गया।

प्रदूषण के कारण आंखों में जलन

वहीं, संजयनगर, इंदिरापुरम व वसुंधरा के मुकाबले सबसे खराब रही। प्रदूषण के कारण आंखों में जलन रही। लोनी में अवैध फैक्ट्रियों के संचालन को प्रदूषण का मुख्य कारण माना जा रहा है। वहीं, इंदिरापुरम व संजय नगर में सड़कों पर उड़ती धूल को अधिकारी प्रदूषण का कारण मान रहे हैं।

लोगों का क्या कहना...

लोगों का कहना है कि अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। यही स्थिति रही तो हवा जल्द ही गंभीर श्रेणी में पहुंच जाएगी। अभी से ही सांस लेने में दिक्कत व आंखों में जलन होने लगी है।

खुले में बिक रही निर्माण सामग्री

जगह-जगह खुले में निर्माण सामग्री बिक रही है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा इन पर कार्रवाई के नाम पर खानापूरी की जा रही है। कूड़े में आग लगाने की घटनाएं कम नहीं हो रही है। रविवार को हिंडन नहर रोड सहित विभिन्न स्थानों पर कूड़े में आग लगती मिली। कूड़े में आग लगने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण को लेकर लोग चिंता में हैं। वहीं, आगे सर्दी बढ़ने से अभी मौसम में और बदलाव आएगा। अब धीरे-धीरे स्मॉग भी बढ़ने लगेगा। इससे लोगों को और ज्यादा दिक्कत होगी। हालांकि, प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए प्रशासन भी लगा हुआ है।

रविवार को स्टेशनों का एक्यूआई

स्टेशन - एक्यूआई	
इंदिरापुरम - 269	
लोनी - 353	
संजय नगर - 246	
वसुंधरा - 312	
स्टेशन	एक्यूआई
इंदिरापुरम	269
लोनी	353
संजय नगर	246
वसुंधरा	312

प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए हमारी टीम जगह-जगह प्रतिदिन निरीक्षण करती है। खुले में निर्माण सामग्री बेचने और प्रदूषण फैलाने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। - विकास मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, यूपीपीसीबी

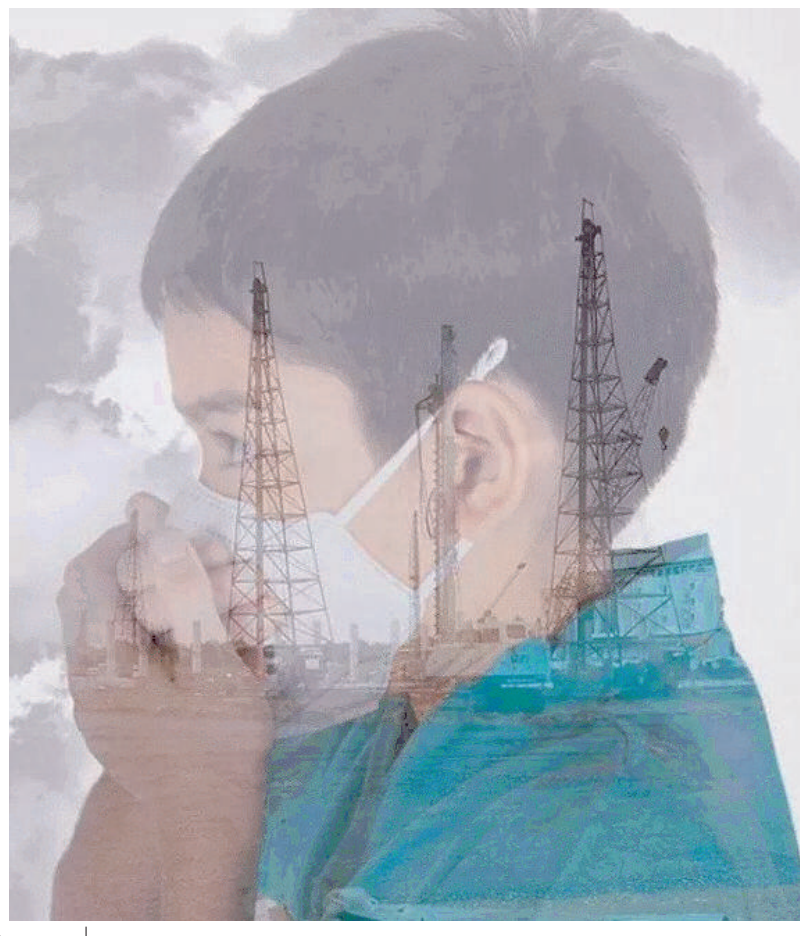

नोएडा के 55 गांवों में लाइब्रेरी बनाएगा प्राधिकरण, पुस्तकालय में होंगी कई सुविधाएं; देखें लिस्ट

नोएडा में रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। यमुना प्राधिकरण में शामिल हो चुके 55 गांवों के पंचायत घर को अब पुस्तकालय में बदला जाएगा। लाइब्रेरी में पढ़ने वाले बच्चों को कई तरह की सुविधाएं दी जाएंगी। उन्हें कंप्यूटर वाइफाई फर्नीचर पुस्तक ई-पुस्तक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए पाठ्य पुस्तक आदि मिलेंगी। इन गांवों में बनेंगी लाइब्रेरी।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण में शामिल हो चुके 55 गांवों के पंचायत घर पुस्तकालय में तब्दील होंगे। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के प्रस्ताव को यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. अरुणवीर सिंह ने अपनी स्वीकृति दे दी है। पंचायत घरों को पुस्तकालय बनाने से प्राधिकरण के करोड़ों रुपये की बचत होगी। वहीं कम समय में ग्रामीणों को पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। पुस्तकालय में ई पुस्तक से लेकर वाइफाइ की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

96 गांवों में पुस्तकालय बनाने की हुई थी घोषणा : यमुना प्राधिकरण अपने अधिसूचित गांवों में ग्रामीणों की मांग पर पुस्तकालय का निर्माण करा रहा है। इसमें भवन निर्माण से लेकर फर्नीचर, एसी, कंप्यूटर, वाइफाई, समाचार पत्र, पुस्तक व ई पुस्तक की सुविधा दी जा रही है। प्राधिकरण सीईओ ने 15 अगस्त को डूंगरपुर रीलखा गांव में पुस्तकालय का लोकार्पण किया था। इसके साथ पहले फेज के सभी 96 गांवों में पुस्तकालय बनाने की घोषणा की थी।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने 55 गांवों में पंचायत घरों का सर्वे कराने के बाद इन्हें पुस्तकालय बनाने का प्रस्ताव दिया, इसे प्राधिकरण ने स्वीकार कर लिया। पंचायती राज व्यवस्था समाप्त होने के बाद गांवों में पंचायत घर का खास उपयोग नहीं रह गया है। अनुपयोगी होने व देखरेख के अभाव में पंचायत घर खंडहर में बदलने लगे हैं। सर्वे में सामने आया है कि पंचायत घर में मामूली मरम्मत कार्य कराने के बाद उन्हें पुस्तकालय के तौर पर उपयोग में लाया जा सकता है। इन पंचायत घरों में खड़की, फर्श, छत, दरवाजे, बिजली की वायरिंग आदि की मरम्मत की जरूरत है। पुस्तकालय के लिए नया भवन बनाने पर होने वाला खर्च बचने के साथ ही इसके लिए जमीन तलाशने की समस्या का भी सामना नहीं कर करना पड़ेगा।

गाजियाबाद शहर सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीख बदली, जानिए कब पड़ेंगे वोट और रिजल्ट आने की डेट

गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीखों में बदलाव अब 20 नवंबर को होगा मतदान और 23 नवंबर को आएगा परिणाम। जानिए इस सीट पर कितने मतदाता हैं कौन-कौन से प्रत्याशी मैदान में हैं और किन पार्टियों के उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे हैं। साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के प्रचार की भी पूरी जानकारी।

भारत निर्वाचन आयोग ने तीन राज्यों की कुछ सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनावों की तारीखों में बदलाव किया है। इसमें उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट के अलावा नौ अन्य विधानसभा सीटें भी शामिल हैं। पहले ये उपचुनाव 13 नवंबर को होने वाले थे।

निर्वाचन आयोग के अनुसान, अब चुनाव 20 नवंबर को कराए जाएंगे। वहीं, चुनावों का परिणाम 23 नवंबर को ही आएगा।

गाजियाबाद सीट पर साढ़े 4 लाख से ज्यादा मतदाता

गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कुल 4.63 लाख मतदाता हैं। इनमें प्रमुख रूप से अनुसूचित वर्ग, मुस्लिम वर्ग, ब्राह्मण वर्ग, वैश्य वर्ग के मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। दो साल पहले हुए विधानसभा चुनाव में गाजियाबाद शहर विधानसभा की जनरल सीट पर सपा ने अनुसूचित समाज के विशाल वर्मा को प्रत्याशी बनाया था।

गाजियाबाद से 14 प्रत्याशी मैदान में

गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा ने संजीव शर्मा, सपा ने सिंह राज जाटव, बसपा ने पीएन गर्ग को प्रत्याशी बनाया है। असदुद्दीन आवैसी की पार्टी एआईएमआइएम से रवि गौतम, आजाद समाज पार्टी से सत्यपाल चौधरी।

इन पार्टियों के उम्मीदवार भी ठोक रहे चुनावी ताल

हिंदुस्थान निर्माण दल से पिंकी चौधरी की पत्नी पूनम, राष्ट्रवादी जन लोक पार्टी (सत्य) से धर्मेंद्र सिंह, सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी से पवन, राष्ट्रीय बहुजन कांग्रेस पार्टी से गयादीन अहिरवाल, अखिल भारतीय आर्य सभा से सोम प्रताप गहलोत, पब्लिक पालिटिकल पार्टी से वीरेंद्र कुमार।

सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी से रवि कुमार पांचाल और बतौर निर्दलीय प्रत्याशी सत्यम, विनय कुमार शर्मा, मिथुन जायसवाल, कुलभूषण त्यागी, रुपेश चंद्र, वीके अग्रवाल और शमसेर राणा ने नामांकन किया था।

सीएम योगी करेंगे रोड शो

भाजपा की ओर से उपचुनाव का तापमान बढ़ाने के लिए खुद योगी आदित्यनाथ छह नवंबर को गाजियाबाद आएंगे। भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा के पक्ष में वह प्रताप विहार में रोड शो कर मतदाताओं को साधने का प्रयास करेंगे। योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को लेकर हरी झंडी मिलने के बाद रोड शो को सफल बनाने के लिए पार्टी पदाधिकारी जुट गए हैं।

आ सकते हैं अखिलेश यादव

भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गाजियाबाद आने के बाद सपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी गाजियाबाद आ सकते हैं। बसपा प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए बसपा प्रमुख व प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती भी यहां आ सकती हैं।

वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन, जिला जज को बर्खास्त करने की मांग

गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी है। वकील जिला जज को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं। 29 अक्टूबर को जिला जज कोर्ट रूम में जमानत के मामले को लेकर वकीलों और जिला जज के बीच हुई नोंकझोंक के बाद पुलिस ने वकीलों पर लाठीचार्ज कर दिया था। इसके बाद से ही वकीलों में आक्रोश है।

गाजियाबाद। जिला जज कोर्ट रूम में 29 अक्टूबर को वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में वकीलों का धरना चल रहा है। आज से अधिवक्ता हड़ताल पर हैं। मंगलवार को जिला जज कोर्ट में जमानत के मामले की पहले सुनवाई को लेकर वकीलों और जिला जज अनिल कुमार के बीच शुरू हुई नोंकझोंक के बाद पुलिस ने वकीलों पर लाठीचार्ज कर दिया था। उसके बाद से ही वकीलों में आक्रोश है।

दीवाली की छुट्टियों के बाद आज कोर्ट खुली है, लेकिन वकील हड़ताल पर हैं। वकील किसी मामले में कोर्ट में पेश नहीं हो रहे हैं। कोर्ट खुली हैं और न्यायिक अधिकारी भी बैठे हुए हैं। लेकिन वकील कोर्ट में पेश नहीं हो रहे हैं। कोर्ट में अपने मामलों में आने वाले वादकारियों को तारीख मिल रही है।

बार अध्यक्ष ने कहा- अनिश्चितकालीन है हड़ताल

बार अध्यक्ष दीपक शर्मा का कहना है कि वकीलों की हड़ताल उनकी मांग माने जाने तक जारी रहेगी। बार काउंसिल की समिति से उन्होंने मांग की है कि जिला जज को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। वकीलों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। लाठीचार्ज में घायल वकीलों को मुआवजा मिले और वकीलों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं।

हाइकोर्ट में याचिका दाखिल

बार एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक शर्मा ने वकीलों की तरफ से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है। उनका कहना है कि जो मांग उन्होंने बार काउंसिल के समक्ष रखी हैं उन्ही मांगो को लेकर याचिका दाखिल की गई है।

कई जिलों से मिला रहा समर्थन

गाजियाबाद के वकीलों को प्रदेश के कई जिलों की बार एसोसिएशन से समर्थन मिल रहा है। सोमवार को आगरा और ग्रेटर आगरा बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने धरने पर पहुचकर समर्थन दिया।

वकीलों की हड़ताल कब तक रहेगी ?

बार अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि गाजियाबाद के जिला जज का तबादला व उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई और लाठीचार्ज करने वाले पुलिस वालों का तबादला और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज न होने तक अधिवक्ता हड़ताल पर रहेंगे।

इसके अलावा इस प्रकरण में अधिवक्ताओं पर दर्ज दोनों एफआईआर को खारिज किया जाए और चोटिल अधिवक्ताओं दो-दो लाख रुपये मुआवजा राशि दी जाए। इन मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को दिया जाएगा।

राजनीतिक दलों के एजेंडे में नहीं है दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण

योगेंद्र योगी

विडंबना देखिए कि जहां हम विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं वहीं देश की 67.4 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां प्रदूषण का स्तर देश के अपने राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से भी ज्यादा है।

देश में सत्ता चाहे किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, प्रदूषण के मामले में देश की राजधानी लाचार और बीमार रही है। दिल्ली का हाल ए दिल किसी को दिखाई नहीं दिया। राजनीतिक दलों ने भीषण प्रदूषण के संकट से जूझ रही दिल्ली के करोड़ों लोगों को इस जानलेवा समस्या से निजात दिलाने के बजाए एक-दूसरे के ऊपर जिम्मेदारी का ठीकरा फोडने का काम किया है। दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने की दिशा में उठाए गए कदम अभी तक ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए हैं। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट भी दिल्ली के प्रदूषण के सामने सरकारों की लुंजपुंज नीति के आगे पस्त नजर आता है। दर्जनों बार चेतावनी देने के बावजूद केंद्र और दिल्ली राज्य की सरकार एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती दिखती हैं। कहने को देश विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। विश्व स्तर पर रॉकेट सांइस सहित कई क्षेत्रों में भारत ने झंडे गाढ़े हैं, किन्तु देश की राजधानी प्रदूषण के मामले में विश्व में बदनाम है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी सिलसिले में सुनवाई के दौरान दिल्ली-एनसीआर में पराली जलाने से बढ़ते प्रदूषण के मामले में सुनवाई के दौरान एक बार फिर पंजाब सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि पंजाब ने पराली जलाने से रोकने में नाकाम अधिकारियों पर सीधे कार्रवाई करने की बजाय उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह पहली बार नहीं है जब पराली जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई हो, हर साल सर्दियों के मौसम में पराली जलाने से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र में सांस तक लेना दुभर हो जाता है। थिंक टैंक सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में दिल्ली देश का 8वां प्रदूषित शहर था, वहीं बायर्निहाट के बाद बिहार का बेगुसराय देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर था। इसके बाद एनसीआर का ग्रेटर नोएडा शामिल था। दिल्ली और फरीदाबाद ही नहीं देश के कई अन्य छोटे बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता जानलेवा बनी हुई है। देश में प्रदूषण की स्थिति किस कदर भयावह है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि भारत में पीएम 2.5 हर साल दो लाख से ज्यादा अजन्मों को गर्भ में मार रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) द्वारा वायु प्रदूषण को लेकर जो गुणवत्ता मानक तय किए हैं उनके आधार पर देखें तो देश की सारी आबादी यानी 130 करोड़ भारतीय आज ऐसी हवा में सांस ले रहे है जो उन्हें हर पल बीमार बना रही है, जिसका सीधा असर उनकी आयु और जीवन गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

विडंबना देखिए कि जहां हम विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं वहीं देश की 67.4 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां प्रदूषण का स्तर देश के अपने राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से भी ज्यादा है। यदि हर भारतीय साफ हवा में सांस ले तो उससे जीवन के औसतन 5.3 साल बढ़ सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा फायदा दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिलेगा जहां रहने वाले हर इंसान की आयु में औसतन 11.9 वर्षों का इजाफा हो सकता है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट 2024 के अनुसार ओज़ोन संबंधी सभी मौतों में से लगभग 50 प्रतिशत भारत में दर्ज की गईं हैं, और उसके बाद चीन और बांग्लादेश आते हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकन जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, प्रशांत महासागर की तरफ कैलिफोर्निया में, पीएम 2.5 नामक वायु प्रदूषक और भीषण गर्मी दोनों के अल्पकालिक संपर्क से जान जाने का खतरा बढ़ा है। यह समस्या पहले से ही भारत में मानव स्वास्थ्य

के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बनी हुई है, जहाँ पीएम 2.5 प्रदूषण ने औसत अनुमानित जीवन-काल को 5.3 वर्ष कम कर दिया है।

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे) में प्रकाशित एक नई रिसर्च के मुताबिक घरों, इमारतों से बाहर वातावरण में मौजूद वायु प्रदूषण भारत में हर साल 21.8 लाख जिंदगियों को छीन रहा है। यदि वैश्विक स्तर पर देखें तो चीन के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है जहां वायु प्रदूषण इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगियों को लील रहा है। दुनिया भर में 2019 के दौरान सभी स्रोतों से होने वाले वायु प्रदूषण के चलते 83.4 लाख लोगों की असमय मृत्यु हो गई थी। इसके लिए प्रदूषण के महीन कण और ओजोन जैसे प्रदूषक जिम्मेवार थे। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2020 में कहा गया है कि कोरोना वायरस के कारण लगाए गए लॉकडाउन की वजह से 2019 की तुलना में 2020 में भारत की वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। हालाँकि, इस रिपोर्ट में बहुत ज़्यादा उत्साहजनक बात नहीं है क्योंकि वायु गुणवत्ता में सुधार के बावजूद भारत के 22 शहर दुनिया के शीर्ष 30 सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं और दिल्ली एक बार फिर दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण दुनिया भर में लोगों के लिए सबसे बड़े स्वास्थ्य खतरों में से एक है, जो हर साल लगभग 7 मिलियन असामयिक मौतों का कारण बनता है। इनमें से 600,000 मौतें बच्चों की होती हैं।

भारत में वायु प्रदूषण की वजह से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में भारतीय व्यापार जगत को करीब 95 बिलियन अमरीकी डालर (7 लाख करोड़) का नुकसान उठाना पड़ता है, जो कि भारत की कुल जीडीपी का करीब 3 प्रतिशत है। यह नुकसान सालाना कर संग्रह के 50 प्रतिशत के बराबर है या भारत के स्वास्थ्य बजट का डेढ़ गुना है। डलबर्ग एडवाइजर्स और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की क्लीन एयर फंड की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डलबर्ग का अनुमान है कि भारत के कामगार अपने स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों के कारण प्रति वर्ष 130 करोड़ (1.3 बिलियन) कार्यदिवसों की छुट्टी लेते हैं जिसके 6 बिलियन अमरीकी डालर के राजस्व का नुकसान होता है। प्रदूषण से स्वास्थ्य और भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद सत्तारुढ़ दलों की प्राथमिकता इसे समाप्त करना नहीं है। चुनावों के दौरान अदृश्य दिखने वाले सर्वाधिक खतरनाक इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल मौन रहते हैं। किसी भी राजनतिक दल के घोषण पत्र में प्रदूषण नियंत्रण के उपायों के प्रयासों का स्थान नहीं मिलता। यदि राजनीतिक दल इसी तरह प्रदूषण के हालात की उपेक्षा करते रहे तो वे दिन दूर नहीं जब भारत विभिन्न क्षेत्रों में तरक्की के सौपान तय करने के बावजूद विश्व में पिछड़ता नजर आएगा।

विडंबना देखिए कि जहां हम विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं वहीं देश की 67.4 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां प्रदूषण का स्तर देश के अपने राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से भी ज्यादा है। यदि हर भारतीय साफ हवा में सांस ले तो उससे जीवन के औसतन 5.3 साल बढ़ सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा फायदा दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिलेगा जहां रहने वाले हर इंसान की आयु में औसतन 11.9 वर्षों का इजाफा हो सकता है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट 2024 के अनुसार ओज़ोन संबंधी सभी मौतों में से लगभग 50 प्रतिशत भारत में दर्ज की गईं हैं, और उसके बाद चीन और बांग्लादेश आते हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकन जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, प्रशांत महासागर की तरफ कैलिफोर्निया में, पीएम 2.5 नामक वायु प्रदूषक और भीषण गर्मी दोनों के अल्पकालिक संपर्क से जान जाने का खतरा बढ़ा है। यह समस्या पहले से ही भारत में मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बनी हुई है, जहाँ पीएम 2.5 प्रदूषण ने औसत अनुमानित जीवन-काल को 5.3 वर्ष कम कर दिया है।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

महिंद्रा ने इलेक्ट्रिक एसयूवी XEV 9e और BE 6e का किया अनावरण

परिवहन विशेष न्यूज

महिंद्रा अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो में दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी, XEV 9e और BE 6e के लॉन्च के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने की तैयारी कर रहा है। ये वाहन 26 नवंबर 2024 को चेन्नई में "अनलिमिटेड इंडिया" इवेंट में अपना वैश्विक डेब्यू करेंगे।

ये नए मॉडल महिंद्रा के पहले वाहन हैं जो इसके उन्नत "INGLO" आर्किटेक्चर पर बनाए गए हैं, जो वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक इलेक्ट्रिक प्लेटफ़ॉर्म है और उन्नत तकनीक से लैस है। INGLO प्लेटफ़ॉर्म में सुरक्षा संबंधी उन्नतियाँ, उच्च प्रदर्शन और ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक कुशल इलेक्ट्रिक रेंज की सुविधा होने की उम्मीद है।

XEV 9e और BE 6e प्रीमियम और परफॉरमेंस इलेक्ट्रिक सेगमेंट में महिंद्रा के प्रवेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। महिंद्रा के अनुसार XEV 9e को इलेक्ट्रिक लग्जरी में नए मानक स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जबकि BE 6e मजबूत, परफॉरमेंस-संचालित क्षमताओं का वादा करता है। महिंद्रा इन वाहनों को ₹भारतीय प्रतीक₹ के रूप में वर्णित करता है जो विशिष्ट डिज़ाइन और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं।

महिंद्रा के प्रवक्ता ने कहा, ₹आईएनजीएलओ के साथ हम भारतीय संवेदनाओं को विश्व स्तरीय परिप्रेक्ष्य के साथ मिश्रित कर रहे हैं।"

BE 6e को XUV400 के ऊपर एक प्रीमियम विकल्प के रूप में पेश किया जाएगा, जिसका मुकाबला टाटा कर्व, एमजी जेडएस ईवी और एमजी विंडसर ईवी जैसे मॉडलों से होगा। इस बीच, XEV 9e को जल्द ही लॉन्च होने वाली टाटा हैरियर ईवी से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

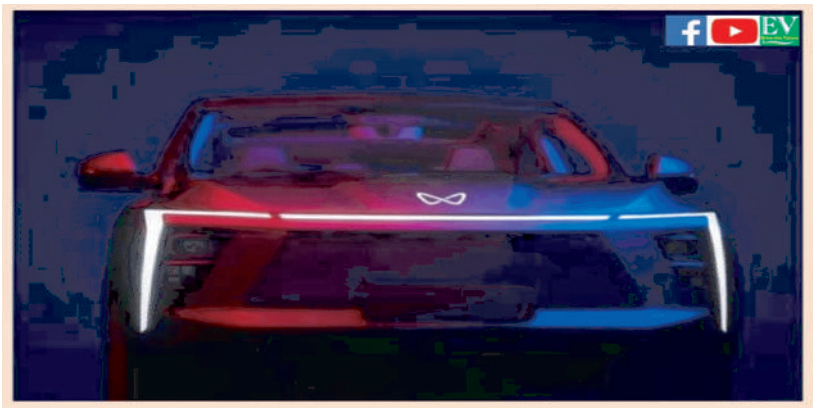

अक्टूबर में इलेक्ट्रिक 3 व्हीलर की बिक्री को लेकर महिंद्रा और बजाज ऑटो के बीच तेज हुई जंग

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक 3 व्हीलर बाजार में महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को कोई खतरा है, तो वह पुणे स्थित बजाज ऑटो से आ रहा है, जो भारत में तीन पहिया वाहनों का सबसे बड़ा निर्माता है और वर्तमान में इलेक्ट्रिक दोपहिया सेगमेंट में टीवीएस मोटर कंपनी के पीछे कड़ी टक्कर दे रही है और नंबर 2 रैंक हासिल करने का लक्ष्य बना रही है, इलेक्ट्रिक 3 व्हीलर सेगमेंट में भी ऐसा ही करती दिख रही है। बाजार की अग्रणी कंपनी महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी और बजाज ऑटो के बीच का अंतर अभी भी काफी बड़ा है, लेकिन सच्चाई यह है कि बजाज महीने-दर-महीने मजबूत वृद्धि देख रहा है और बिक्री के नए शिखर छू रहा है।

वित्त वर्ष 2024 में अपने ईवी रोलआउट के सिर्फ़ 10 महीनों में बजाज ने 7,525 इकाइयों के साथ 2% बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली और 13वें स्थान पर आ गया। सोलह महीने बाद, यह बाजार की अग्रणी कंपनी महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी को कड़ी टक्कर दे रही है।

वाईसी इलेक्ट्रिक जो लंबे समय से नंबर 2 ई-थ्री-व्हीलर ओईएम है, अगस्त से नंबर 3 पर है जब बजाज ऑटो ने इसे पीछे छोड़ दिया और ऐसा करना जारी रखा। अक्टूबर 2024 में वाईसी इलेक्ट्रिक ने अब तक की सबसे अच्छी 4,601 इकाइयाँ बेचीं, जो कि साल-दर-साल 13% अधिक है और अधिकांश प्रमुख ओईएम की तरह इसे भी त्योहारी सीज़न की बिक्री से लाभ हुआ है। यह प्रदर्शन कंपनी को, जिसके पास पाँच उत्पाद हैं - यात्री सुपर, यात्री डीलक्स और यात्री यात्री ड्यूटी के लिए और ई-लोडर और यात्री कार्ट कार्गो संचालन के साथ 7% की बाजार हिस्सेदारी शामिल है, जो एमएलएमएम के 11% और बजाज ऑटो के 9.58 प्रतिशत से कम है।

S. No.	TOP 500 SALES EV 3 WHEELER OEMs	BRAND	OCTOBER	SEPTEMBER	AUGUST
1	MAHINDRA LAST MILE MOBILITY LTD	MAHINDRA	7,475	6,141	5,163
2	BAJAJ AUTO	BAJAJ	6,299	5,000	4,029
3	YC ELECTRIC VEHICLE	YATRI	4,601	3,826	3,793
4	SAERA ELECTRIC AUTO PVT LTD	MAYURI	2,484	2,514	2,806
5	DILLI ELECTRIC AUTO PVT LTD	CITYLIFE	2,387	2,097	2,207
6	PIAGGIO VEHICLES	APE ELECTRIC	1,938	1,682	1,559
7	MINI METRO EV L.L.P	MINI METRO	1,384	1,175	1,338
8	ENERGY ELECTRIC VEHICLES	UDAAN	1,187	1,202	1,307
9	UNIQUE INTERNATIONAL	PANTHER	1,180	1,199	1,170
10	SAHNIANAND E VEHICLES PVT LTD	VANDE BHARAT	1,036	886	844
11	SKS TRADE INDIA PVT LTD	ARZOO	1,007	965	1,010
12	CHAMPION POLY PLAST	SAARTHI	1,005	1,001	984
13	HOTAGE CORPORATION INDIA	BADSHAH	951	1,115	1,271
14	KHALSA AGENCIES	KHALSA	910	889	873
15	J. S. AUTO	JSA	897	941	1,045
16	THUKRAL ELECTRIC BIKES PVT LTD	THUKRAL	886	751	799
17	TERRA MOTORS INDIA PVT LTD	TERRA	783	829	750
18	ZENIAK INNOVATION INDIA LIMITED	INDO WAGEN	752	838	669
19	VANI ELECTRIC VEHICLES PVT LTD	JEZZA	727	748	763
20	ALLFINE INDUSTRIES PVT LTD	ALLFINE	711	794	1,064
21	ZEOPLUS AXIS INDIA PVT.LTD	ZEOFINE	660	657	667
22	ATUL AUTO	ATUL	646	503	526
23	TI CLEAN MOBILITY	MONTRA	632	599	596
24	DAKSH INDUSTRIES	SARGAM	625	636	706
25	BESTWAYS AGENCIES	ELE	536	529	538
26	SHRI BARSANA E-VEHICLES	BAHUBALI	514	588	537

SOURCE: VAHAN

चौथे स्थान पर सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो है, जो ई-रिक्शा और ई-कार्ट के मयूरी ब्रांड का निर्माण करती है। सायरा इलेक्ट्रिक ने अक्टूबर में 2,484 यूनिट बेचीं, जो अगस्त के 2,806 यूनिट के बाद इस साल की दूसरी सबसे बड़ी मासिक बिक्री है। अक्टूबर के अंत में कंपनी ने एल3 और एल5 ई-कार्ट की डिलीवरी के लिए ऑन-डिमांड लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म पोर्टर के साथ सहयोग की घोषणा की। पायलट प्रोजेक्ट को दिल्ली और बेंगलुरू में शुरू किया जाएगा, जिसमें संबंधित शहरों में हर महीने 500 वाहन डिलीवर करने का शुरुआती अनुमान है। रणनीतिक साझेदारी से आने वाले महीनों में सायरा इलेक्ट्रिक के रिटेल को बढ़ावा मिलेगा।

अक्टूबर में 2,397 इकाइयों और वर्ष 2024 के पहले 10 महीनों में 20,926 इकाइयों की खुदरा बिक्री के साथ दिल्ली इलेक्ट्रिक ऑटो पांचवें स्थान पर है।

पिछले महीने 1,938 इकाइयों और जनवरी-अक्टूबर 2024 में संचयी 17,939 इकाइयों के साथ पियाजियो वाहन छठे स्थान पर है।

इस बीच मुरुगप्पा समूह की कंपनी टीआई ग्रीन मोबिलिटी मोंट्रा इलेक्ट्रिक भी बजाज ऑटो की तरह ई-थ्री-व्हीलर बाजार में हाल ही में प्रवेश करने वाली कंपनी हैं जो धीरे-धीरे रैंक पर ऊपर चढ़ रही है। पिछले एक साल में मोंट्रा इलेक्ट्रिक ने 17 राज्यों में फैले 74 बाजारों में ग्राहकों को अपने सुपर ऑटो वितरित किए हैं। चेन्नई स्थित ईवी ओईएम महीने-दर-महीने यानी अगस्त में 596, सितंबर में 599 और अक्टूबर में 632 इकाइयां बिक्री कर लाभ कमा रही है।

सिट्रोएन ने भारतीय बाजार में लॉन्च किया एयरक्रॉस का एक्सप्लोर एडिशन, कीमत में होगी 24 हजार रुपये की बढ़ोतरी

फ्रांस की वाहन निर्माता Citroen की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में वाहनों को ऑफर किया जाता है। कंपनी ने अपनी Aircross एसयूवी का एक्सप्लोरर एडिशन लॉन्च (Citroen Aircross Xplorer Edition) कर दिया है। इसमें किस तरह की खासियत को दिया जा रहा है। किस कीमत पर एसयूवी के नए एडिशन को खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। फ्रांस की वाहन निर्माता Citroen की ओर से हैचबैक, एसयूवी और इलेक्ट्रिक सेगमेंट में वाहनों की बिक्री भारतीय बाजार में की जाती है। कंपनी की ओर से अपने पोर्टफोलियो को बेहतर करते हुए Aircross एसयूवी का नया एडिशन लॉन्च कर दिया गया है। इसमें किन खासियतों को शामिल किया गया है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च हुआ Aircross का नया एडिशन

Citroen की ओर से Aircross एसयूवी का नया एडिशन भारत में लॉन्च कर दिया गया है। नए एडिशन के तौर पर कंपनी की ओर से Xplorer Edition को लाया गया है। जिसमें कई अपग्रेड और खास तरह के बेनिफिट्स को दिया जा रहा है।

Citroen Aircross के Xplorer Edition में कंपनी की ओर से कुछ नए फीचर्स को जोड़ा गया है। जिसमें डैशकैम, फुटवैल लाइटिंग, इलुमिनेटिड सिल प्लेट्स, स्ट्राइकिंग हुड गार्निश, बॉडी डिकैल, रियर सीट एंटरटेनमेंट के लिए स्क्रीन शामिल है। साथ ही इसमें खाकी रंग के इंसर्ट्स को भी दिया गया है।

कितने वेरिएंट में मिलेगा एडिशन

सिट्रॉएन की ओर से जानकारी दी गई है कि एयरक्रॉस एसयूवी के सभी वेरिएंट्स में इस एडिशन को नहीं दिया जाएगा। इसके सिर्फ दो ही वेरिएंट्स में इस एडिशन को ऑफर किया गया है। जिनमें Plus और Max शामिल हैं।

नए एडिशन के लिए देने होंगे कितने रुपये

कंपनी की ओर से नए एडिशन के तौर पर ऑफर किए गए Xplorer Edition को स्टैंडर्ड वेरिएंट्स के साथ ही ऑफर किया गया है। इसके स्टैंडर्ड पैक को 24 हजार रुपये की अतिरिक्त कीमत पर लिया जा सकता है। वहीं इसके ऑप्शनल पैक के लिए 51700 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। इस एडिशन को ऑनलाइन या ऑफलाइन डीलरशिप के जरिए खरीदा जा सकता है।

कंपनी के अधिकारियों ने दी यह जानकारी

सिट्रॉएन इंडिया के ब्रॉन्ड डायरेक्टर शिशिर मिश्रा ने कहा कि एयरक्रॉस एक्सप्लोरर एडिशन हमारे ग्राहकों के लिए रोमांचक यात्राएं बनाने के लिए सिट्रॉएन के समर्पण को दर्शाता है। बेहतरीन डिज़ाइन और अनूठी विशेषताओं वाली एसयूवी के रूप में, यह सिग्नेचर सिट्रोन आराम को बनाए रखते हुए रोमांच की भावना लाती है। यह सीमित संस्करण एक बेजोड़ ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है, जो उन लोगों के लिए एकदम सही है जो सड़क पर एक अलग पहचान बनाना चाहते हैं।

कंपनी की ओर से एसयूवी सेगमेंट में Citroen Aircross को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 8.49 लाख रुपये से शुरू हो जाती है।

ज्यूपिटर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने रेलवे और ट्रक बैटरी में लॉग9 के प्रमुख अधिग्रहण के साथ ईवी पोर्टफोलियो को किया मजबूत

परिवहन विशेष न्यूज

ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड ने लॉग9 मैटीरियल्स से रेलवे और इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी डिवीजनों का अधिग्रहण करके भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की है। ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड की ईवी सहायक कंपनी ज्यूपिटर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी द्वारा घोषित इस रणनीतिक अधिग्रहण से इलेक्ट्रिक ट्रक और रेलवे दोनों क्षेत्रों के लिए अभिनव बैटरी प्रौद्योगिकी समाधानों के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार होता है।

इस अधिग्रहण में लॉग9 की उत्पादन और इंजीनियरिंग टीमें शामिल हैं, जो इन बैटरियों में विशेषज्ञता रखती हैं, जो अब लॉग9 की बेंगलुरू में उन्नत देवनहल्ली विनिर्माण सुविधा के साथ-साथ जेईएम की क्षमताओं में योगदान देंगी। यह कदम जेईएम को इन-हाउस बैटरी उत्पादन को एकीकृत करने में सक्षम बनाता है, जो इसके इलेक्ट्रिक लाइट कमर्शियल वाहनों के लिए महत्वपूर्ण है, जबकि तेजी से बढ़ते ईवी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है।

जुपिटर वैगन्स के लिए यह अधिग्रहण उनके रेल उत्पाद पेशकशों को काफी हद तक बढ़ावा देता है क्योंकि वे रेलवे बैटरी अनुप्रयोगों में विस्तार करते हैं, भारतीय रेलवे के साथ सफल पायलट परियोजनाओं और वंदे भारत बैटरी के लिए हाल ही के ऑर्डर पर निर्माण करते हैं। ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विवेक लोहिया के अनुसार अधिग्रहण केवल एक विस्तार नहीं है; यह ईवी और रेलवे दोनों क्षेत्रों में संधारणीय गतिशीलता समाधानों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

लॉग9 की बैटरी परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करके जेईएम का लक्ष्य अपनी प्रौद्योगिकी स्टैक और विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाना है, जिससे ऑटोमोटिव और रेलवे डोमेन में भारत की विद्युतीकरण यात्रा को आगे बढ़ाया जा सके। कुशल इंजीनियरिंग प्रतिभा और स्केलेबल उत्पादन का रणनीतिक जोड़ ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड के विकास लक्ष्यों और भारत के संधारणीय परिवहन पर बढ़ते फोकस के साथ संरेखित करना है।

त्योहारी सीजन में रफ्तार पकड़ता ईवी बाजार

परिवहन विशेष न्यूज

त्योहारी सीजन ने अक्टूबर में भारत के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार को जबरदस्त रफ्तार दी। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में पिछले दो महीनों से जारी गिरावट का रुख पलट गया। महीने के दौरान ईवी का कुल पंजीकरण 2,17,716 वाहनों तक पहुंच गया जो सितंबर में हुई 1,60,237 वाहनों की बिक्री के मुकाबले 35 फीसदी अधिक है। यह इलेक्ट्रिक वाहनों की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री भी है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का यह आंकड़ा मार्च के मुकाबले भी अधिक है जब 2,13,063 वाहनों की बिक्री हुई थी। मार्च में फेम-2 योजना के अंतिम दिनों की बिक्री से भी ईवी को रफ्तार मिली थी। मगर अक्टूबर के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल मांग में कितनी तेजी आई है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, इलेक्ट्रिक वाहनों की मासिक बिक्री 2024 में दूसरी बार 2 लाख वाहनों के पार पहुंच गई। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों का कुल पंजीकरण बढ़कर 16 लाख के पार पहुंच गया। इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में दोपहिया सबसे बड़ी श्रेणी रही जहां कुल 9,54,241 वाहनों की बिक्री हुई।

यह इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री का करीब 59 फीसदी है। उसके बाद 5,68,419 वाहनों यानी 35 फीसदी बिक्री के साथ इलेक्ट्रिक तिपहिया का स्थान रहा। इलेक्ट्रिक कार 83,802 वाहनों की बिक्री के साथ काफी पीछे रही, जबकि बस, ट्रक एवं निर्माण वाहनों की हिस्सेदारी 1 फीसदी रही।

इस साल ईवी श्रेणी में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई, क्योंकि 15 लाख का आंकड़ा छूने में उसे महज 10 महीने लगे। इस उपलब्धि को हासिल करने में पिछले साल पूरे 12 महीने लगे थे। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के लिए अक्टूबर जबरदस्त महीना साबित हुआ। इस दौरान त्योहारी मांग के दौरान ग्राहकों ने नए वाहन खरीदने की होड़ लगा दी।

अक्टूबर में न केवल मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) ने भारी छूट के साथ खरीदारी को बेहतर बना दिया बल्कि केंद्र की पीएम-ई ड्राइव योजना से भी बिक्री को बढ़ावा मिला। सरकार ने दो वर्षों के लिए 10,900 करोड़ रुपये के साथ यह योजना 1 अक्टूबर को शुरू की थी। इसने विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहन श्रेणियों में सब्सिडी को लक्षित करते हुए बिक्री को बढ़ावा दिया।

एनआरआई कंसल्टिंग ऐंड सॉल्यूशंस के विशेषज्ञ (केस एवं वैकल्पिक पावरट्रेन) प्रीतेश सिंह ने कहा, 'प्रोत्साहन, त्योहारी उत्साह और शुभ मुहूर्त ने कुल मिलाकर ईवी बाजार को रफ्तार दी।' महीने के दौरान खास तौर पर इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई।

अक्टूबर में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री सितंबर के मुकाबले 50 फीसदी बढ़कर 1,39,097 वाहन हो गई। सितंबर में 90,372 ई-दोपहिया की बिक्री हुई थी। इस बीच, इलेक्ट्रिक तिपहिया की बिक्री में भी 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और वह सितंबर में 62,901 वाहनों के मुकाबले बढ़कर अक्टूबर में 67,170 वाहन हो गई।

उद्योग विशेषज्ञ आगामी महीनों के दौरान ईवी बिक्री को लेकर काफी आशान्वित हैं। उनका मानना है कि सरकारी प्रोत्साहन के समर्थन से बिक्री को रफ्तार मिलेगी। मगर उन्होंने चेताया कि लगातार बढ़ रही मांग को बनाए रखने के लिए उद्योग को बेहतर उत्पाद एवं सर्विस के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

ओबेन इलेक्ट्रिक शहरी उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए रोर ईज़ी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल लॉन्च करने की तैयारी में

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता ओबेन इलेक्ट्रिक ने अपनी आगामी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल, रोर ईज़ेड के लिए एक टीज़र जारी किया है, जो 7 नवंबर, 2024 को लॉन्च होगी। दैनिक यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार, रोर ईज़ेड का उद्देश्य सुविधा, डिजाइन, प्रदर्शन और आराम पर ध्यान देने के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अनुभव को बढ़ाना है।

हालांकि विशिष्ट विशेषताओं का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन उम्मीद है कि रोर ईज़ी आम यात्री चुनौतियों का समाधान करेगी। इसमें ओबेन की पेटेंटेड उच्च-प्रदर्शन एलएफपी (लिथियम आयरन फॉस्फेट) बैटरी तकनीक शामिल होगी, जो भारत की विविध जलवायु के लिए अपनी गर्मी प्रतिरोध, स्थायित्व और उपयुक्तता के लिए जानी जाती है। दोपहिया वाहनों में एलएफपी बैटरी बनाने वाली अग्रणी कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक इस तकनीक के साथ प्रदर्शन और सुरक्षा को प्राथमिकता देती है।

ओबेन इलेक्ट्रिक के संचालन में अनुसंधान और विकास पर जोर दिया जाता है, जिसमें बैटरी, मोटर, वाहन नियंत्रण इकाइयों और फास्ट चार्जर जैसे प्रमुख घटकों का इन-हाउस निर्माण शामिल है। यह दृष्टिकोण कंपनी को गुणवत्ता बनाए रखने और बाजार में होने वाले बदलावों के अनुकूल होने में मदद करता है। रोर ईज़ेड में ओबेन केयर का समर्थन भी शामिल है, जिसे सुव्यवस्थित स्वामित्व अनुभव के लिए व्यापक बिक्री के बाद सेवा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बेंगलुरू में मुख्यालय वाली भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक शहरी यात्रियों के लिए विशेष रूप से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने पर ध्यान केंद्रित करती है। कंपनी इन-हाउस अनुसंधान और विकास पर जोर देती है, जो इसे बैटरी, मोटर, वाहन नियंत्रण इकाइयों और फास्ट चार्जर जैसे आवश्यक घटकों को डिजाइन और निर्माण करने की अनुमति देता है। उत्पादन पर यह आंतरिक नियंत्रण ओबेन को निरंतर गुणवत्ता बनाए रखने और भारतीय बाजार की बदलती मांगों के लिए कुशलतापूर्वक अनुकूलन करने में मदद करता है।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने अपने वाहनों में लिथियम आयरन फॉस्फेट (LFP) बैटरी तकनीक को एकीकृत किया है। अपनी तापीय स्थिरता, स्थायित्व और विभिन्न जलवायु के लिए उपयुक्तता के लिए जानी जाने वाली LFP बैटरियाँ शहरी आवागमन के लिए आवश्यक प्रदर्शन और विश्वसनीयता का समर्थन करती हैं। ओबेन द्वारा इस तकनीक को अपनाने का उद्देश्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों में दैनिक सवारियों की ज़रूरतों को पूरा करना है।

अपनी तकनीकी प्रगति के साथ-साथ, ओबेन इलेक्ट्रिक ने ₹ओबेन केयर₹ नामक एक बिक्री के बाद सेवा कार्यक्रम शुरू किया है, जो ग्राहकों को रखरखाव और सहायता प्रदान करता है। इस सेवा का उद्देश्य एक विश्वसनीय स्वामित्व अनुभव प्रदान करना और किसी भी सेवा की ज़रूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा करना है। जैसे-जैसे भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाज़ार विकसित होता है, ओबेन इलेक्ट्रिक भारतीय शहरों की स्थितियों और आवागमन की ज़रूरतों के अनुरूप कार्यात्मक, सुरक्षा-उन्मुख समाधान पेश करना चाहता है।

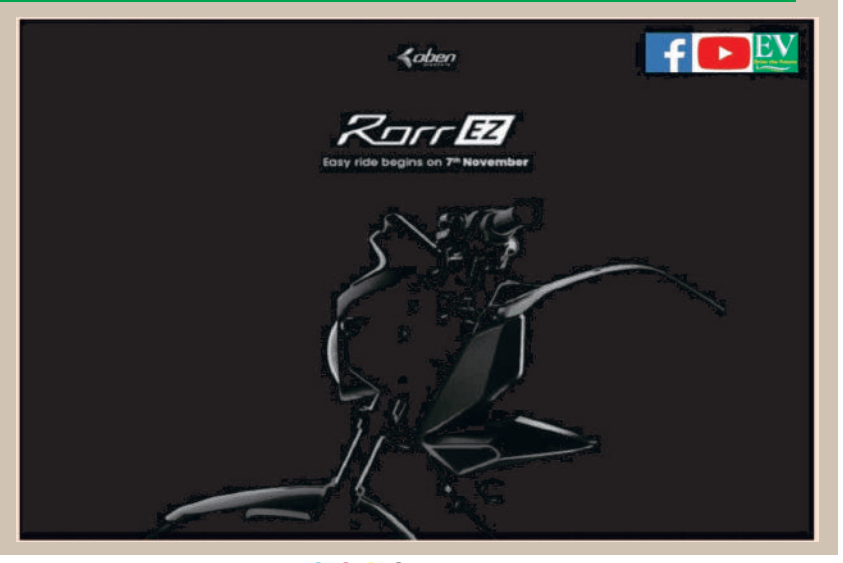

बुजुर्गों की उपेक्षा करके हम स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं कर सकते

विजय गर्ग

कई बुजुर्गों को जब नई बहू मिलती है तो उन्हें पहले आई बड़ी बहू में कई कमियां नजर आने लगती हैं। वे भूल जाते हैं कि अब तक उनकी सेवा किसने की है। नई सदस्य कभी-कभी परिवार में बसने के लिए बड़ों को नहीं टोकती, लेकिन एक साल बाद जब वह अपना रंग दिखाना शुरू करती है तो ऐसा लगता है कि अब वह ज्यादा बातें करने लगी है। घर आये अतिथियों का व्यवहार |कई बार जब बुजुर्ग आह भरते हुए कहता है, 'बस आओ' तो मेहमान उसके लहजे से समझ जाता है कि वह अपना दुख बांटने को तैयार है।

बचपन और जवानी की तरह बुढ़ापा भी मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है। बुढ़ापा, जवानी और बचपन में बुनियादी अंतर यह है कि बचपन और जवानी जीवन में एक बार आती है और चली जाती है, लेकिन जब बुढ़ापा आता है तो आखिरी सांस तक हमारे साथ रहता है। आम तौर पर, जिस व्यक्ति ने अपने जीवन का चरम 60 वर्ष देखा हो, उसे पुराने क्लब के सदस्य के रूप में पहचाना जाता है। उम्र के इस पड़ाव पर समाज को समझदारी की उम्मीद होती है. उसे ज्येष्ठ की उपाधि देता है, परन्तु उस समयदुख तो तब होता है जब दूर से देखने पर ऐसा लगता है कि कोई बूढ़ा आदमी आ रहा है, लेकिन जब मुंह खोलता है तो वह बूढ़ा आदमी निकलता है। बूढ़े आदमी और बूढ़े आदमी के बीच अंतर यह है कि बूढ़ा आदमी हमेशा समझदारी से बात करता है जबकि बूढ़ा सिर्फ बात करता है। आधुनिक समय में हर रिश्ते में दरारें आ रही हैं। माता-पिता अक्सर बुढ़ापे में खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं। दुःख की बात है कि बच्चे अपने माता-पिता को बृहद-आश्रम में छोड़ने से भी नहीं हिचकिचाते। ऐसी सामाजिक घटना न सिर्फ निंदनीय है बल्कि बेहद शर्मनाक है. तो इसे बंद कर दीजिएयह आवश्यक है क्योंकि बुजुर्गों की उपेक्षा करके हम स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं कर सकते। यह समस्या दिन-ब-दिन विकराल क्यों होती जा रही है? हालाँकि नई पीढ़ी 'खाओ, पियो, राख करो' के सिद्धांत में गलत है, भौतिकवाद मूल्यों पर भारी पड़ रहा है, लेकिन फिर भी यह नहीं कहा जा सकता कि बच्चे हमेशा गलत होते हैं। कई बार माता-पिता की भी गलती देखने को मिलती है। अधिकांश बुजुर्गों को उनके बचपन के दौरान उनके माता-पिता द्वारा अनुशासित किया जाता है और उन्होंने अपने जीवन में कड़ी मेहनत की है। तो अब उनके अपने बच्चे भी हैंडांटना चाहते हैं, लेकिन ऊंचे पढ़े-लिखे बच्चे यकीनन बहुत बातें करते हैं। मशीनीकरण के युग में नई पीढ़ी को टोका-टोकी बर्दाश्त नहीं होती, जबकि पुरानी पीढ़ी उन पर अपना अनुभव और ज्ञान थोपना चाहती है। शादी के बाद जब माता-पिता अपनी बहू को सिर्फ एक स्थाई नौकरानी समझने लगते हैं तो समस्या यहीं से शुरू होती है। जिस लड़की ने मंगनी के दौरान बातचीत के दौरान अपने पिता को तड़पते देखा है. उनसे सच्चे सम्मान की उम्मीद करना भी मूर्खता है. इस स्थिति मेंक्रिया की प्रतिक्रिया होती है. प्रतिक्रिया, क्रिया के इस चक्र में रिश्तों पर असर पड़ने लगता है। जब आपके बेटे की शादी हो तो आपको अपनी बहू को अपनी बेटी मानना चाहिए क्योंकि शादी के समय वह अपना घर और माता-पिता छोड़कर आपके घर आती है। अब आप उसके माता-पिता हैं. यह आप पर निर्भर है कि आप इसे कैसे लेते हैं। आप उसके साथ जैसा व्यवहार करेंगे वैसा ही व्यवहार करेंगे. यदि आप अच्छे संस्कारों के साथ व्यवहार करेंगे तो बदले में आपको सम्मान मिलेगा। ऐसी स्थिति जहां किसी को दबाव डालने के लिए मजबूर किया जाता हैउसके बाद यह उसी ताकत से टूट जाएगा या वापस उछल जाएगा। विज्ञान के इस सिद्धांत को हम नकार नहीं सकते। माता-पिता अक्सर शादी के बाद अपने बेटे के व्यवहार में बदलाव को लेकर शिकायत करते हैं। माता-पिता सोचते हैं कि उनका बेटा भोला है और नूह चतुर है। इस कारण वह पत्नी का गुलाम बन गया है। हालांकि, यह मामला हमेशा नहीं होता है। माता-पिता को एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपका बेटा भी किसी का पति है। आजकल अगर पढ़े-लिखे लड़के अपनी

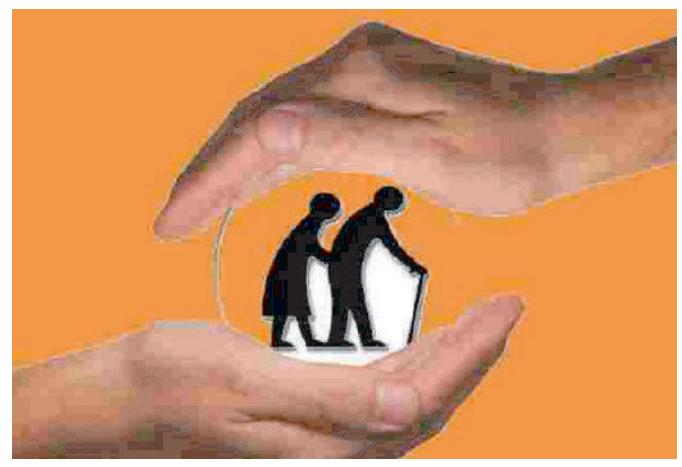

पत्नियों के काम में मदद करते हैं तो उन्हें 'ताकत का गुलाम' कहा जाता है।'नहीं कहा जा सकता क्योंकि पत्नी कई ऐसे काम करती है जो पति के हिस्से के होते हैं। आपसी सहयोग से ही गृहस्थ जीवन का रथ आगे बढ़ सकता है। कई बुजुर्गों को जब नई बहू मिलती है तो उन्हें पहले आई बड़ी बहू में कई कमियां नजर आने लगती हैं। वे भूल जाते हैं कि अब तक उनकी सेवा किसने की है। नई सदस्य कभी-कभी परिवार में बसने के लिए बड़ों को नहीं टोकती, लेकिन एक साल बाद जब वह अपना रंग दिखाना शुरू करती है तो ऐसा लगता है कि अब वह ज्यादा बातें करने लगी है। घर आये अतिथियों का व्यवहार |कई बार जब बुजुर्ग आह भरते हुए कहता है, 'बस आओ' तो मेहमान उसके लहजे से समझ जाता है कि वह अपना दुख बांटने को तैयार है। मौका मिलते ही बूढ़ा मेहमानों के सामने अपनी भावनाएं ड्रम से गेहूं की तरह उड़ेल देता है. फिर यह खास मेहमान सभी रिश्तेदारों के बीच मध्यस्थता करके बूढ़े और उसके बच्चों का 'दुख' बांटता है। अगले कुछ दिनों में स्थिति में सुधार हो जाता है और घर का माहौल सामान्य हो जाता है, लेकिन सभी रिश्तेदारों के बीच बच्चों की छवि को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई नहीं की जा सकती। ईइसलिए अपने रिश्तेदारों के सामने अपने बच्चों की बुराई न करें बल्कि अपने बच्चों की उपलब्धियों का जिक्र करके गर्व महसूस करें, क्योंकि आपके बच्चे आपके लिए जो कर सकते हैं, वह रिश्तेदार नहीं कर सकते। दूसरों को बार-बार बेटा-बेटा कहकर पुकारना और अपने बेटों को हमेशा रोआब कहकर पुकारना कोई बहुत अच्छी बात नहीं है। बुजुर्गों को छोटे बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए. उन्हें बाहर घुमाने ले जाएं. सेहत को ध्यान में रखते हुए बच्चों को कभी-कभी खाना खिलाने ले जाएं. इस तरह आपका समय अच्छा बीतेगाऔर बच्चे आपसे अधिक प्यार करेंगे. मेरा एक सरपंच मित्र अपनी बहू के माता-पिता के घर आने पर उनका सम्मान नहीं करता, लेकिन जब वह दूसरों को अपनी बहू के बारे में बताता है, तो कहता है, 'मुझे दूसरों के घरों के बारे में नहीं पता, लेकिन भाग्यशाली लड़की हमारे घर आई है' परिणामस्वरूप उनकी बहू उनका दिल से सम्मान करती है। करुणा, सम्मान, प्रेम, नम्रता आदि ऐसे भाव हैं जो किसी का भी दिल आसानी से जीत सकते हैं। पढ़ने-लिखने के बाद रोजगार के लिए दर-दर धक्के खाने से निराश हो चुके बच्चों का मनोबल बढ़ानावयस्कों की सहानुभूति एक प्रभावी टॉनिक साबित हो सकती है। बुढ़ापे में घुटने, कूल्हे, सिर, टांगों और बांहों में दर्द आम समस्या है। जागने पर घुटने या कंधे में दर्द की शिकायत करके एक सुखद सुबह को बर्बाद न करें, बल्कि आभारी रहें कि आपके पास जीने के लिए एक और खूबसूरत दिन है। चूँकि प्रकृति का नियम है कि कच्चे फल को समय के साथ पेड़ से अलग होना ही पड़ता है। उसी प्रकार मानव शरीर को भी बचपन, जवानी और बुढ़ापे की अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है और अंत में मिट्टी में मिल जाना पड़ता है।है यह प्रकृति का नियम है. जब मृत्यु एक अटल सत्य है तो फिर उससे डर क्यों? हाँ! जहां तक शारीरिक समस्याओं की बात है तो इस उम्र में व्यक्ति को अपने खान-पान में संयम रखना चाहिए। अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार छोटे-छोटे कार्य करके स्वयं को स्वच्छ रखना चाहिए। हल्का भोजन करना चाहिए. शारीरिक गतिविधि कम होने से कैलोरी की खपत कम हो जाती है। इसलिए मसालेदार चटपटा और तले हुए भोजन से परहेज करना चाहिए। अगर आप संयुक्त परिवार के मुखिया हैं तो सबसे प्यार करें, लेकिन अगर एक बेटा है तो दूसरों से ज्यादाअगर वह काम करता है तो उसकी तारीफ करें. माता-पिता की सेवा करना बच्चों का न केवल सामाजिक दायित्व है बल्कि नैतिक कर्तव्य भी है। माता-पिता से विनम्रता से बात करें, उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनें। अगर आप उनके विचारों से सहमत नहीं हैं तो भी उसी तरह सहनशीलता दिखाएं जैसे आप बाहर दूसरे लोगों के साथ दिखाते हैं। चाहे आप कर्मचारी हों या प्रबंधक, आप अपने नियोक्ता या बॉस की डांट चुपचाप सह लेते हैं, जिसे आपको महीने में केवल पांच या पचास हजार देने होते हैं, लेकिन जिन माता-पिता ने आपको पाला-पोसा है।आपको अपने जीवन की सारी पूंजी और संपत्ति देनी पड़ती है, उनकी बातें आपके लिए बुरी होती हैं और आपकी जीभ कैंची की तरह चलने लगती है। जो बच्चे तोतली आवाज निकालते हैं उन्हें उनके माता-पिता ही बोलना सिखाते हैं। स्थिति तब असहनीय हो जाती है जब वही तोते जैसी आवाज निकालने वाले बच्चे बड़े होकर अपने माता-पिता से बहस करने लगते हैं। याद रखें कि आप केवल अपने माता-पिता के कारण ही सुशिक्षित हैं। जहां तक जीवन की परीक्षा का सवाल है तो आप जीवन भर उनके पीछे पड़े रहेंगे क्योंकि जीवन की परीक्षा में माता-पिता नहीं हैं।वे सबसे आगे हैं. लब्बोलुआब यह है कि बड़ों और बच्चों के विचार नदी के दो किनारों की तरह नहीं मिल सकते। नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के विचारों में यह अंतर सदियों से है और हमेशा रहेगा, हालांकि विचारों के इस अंतर को खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन इसे कम जरूर किया जा सकता है। इसलिए बुजुर्गों को अपने खान-पान और वाणी पर नियंत्रण रखकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। दूसरी ओर, बच्चों को खुद को अपने माता-पिता से ज्यादा स्मार्ट नहीं समझना चाहिए। आप आज फिर जहां हैं, वहींवे इस दौर से काफी पहले गुजर चुके हैं. अतः उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर इस धरती पर ही स्वर्ग के आनंद का एहसास किया जा सकता है।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट

ईर्ष्या हद

विजय गर्ग

निधि के देवर की शादी थी। भागदौड़ करके वह सब रिश्तेदारों की आवभगत में लगी हुई थी। उसकी सासू मां थी नहीं ।घर में सिर्फ उसके ससुर पति और देवर ही थे। सब लोग निधि को बहुत मानते थे। और उसे अपनी पलकों पर बिठा कर रखते थे। निधि भी सब का बहुत मान- सम्मान करती थी।

शादी से महीने भर पहले उसकी बुआ सास आ गई थी ताकि निधि को सारे रीति -रिवाज समझा सके। और निधि भी पूरे दिल से सारे रिवाज निभा रही थी। वह शादी के सब कामों के साथ-साथ अपनी 3 साल की बेटी रूही को भी संभाल रही थी । बुआ सास तो उसकी प्रशंसा करते नहीं थकती थी। गोरा रंग ,बड़ी -बड़ी आंखें और लंबे लहराते बाल सबको एक नजर में ही भा जाती थी ।

निधि को अपने पास बुला कर बुआ जी बोली ,"निधि बहू ! तुम पर तो पूरा विश्वास है मुझे। तुमने अच्छे से घर को संभाल लिया है । अब देखो दूसरी बहुरिया कैसी आती है.. वह सब से मिलकर चलती है कि नहीं.."

"आप चिंता ना करें बुआ जी !शालू बहुत प्यारी है।और उसका व्यवहार भी बहुत अच्छा है ।वो सबसे मिलकर ही चलेगी₹ निधि ने जवाब दिया

धीरे-धीरे सब रिश्तेदार आ गए और खूब धूमधाम से निधि के देवर अनुज की शादी हो गई। और शालू बहू बनकर घर में आ गई।

लेकिन शालू ने देखा कि घर में हर कोई सिर्फ निधि निधि की रट लगाए रखता है । सब उसकी तारीफों के पुल बांध रहे थे। यह देखकर शालू को थोड़ा अच्छा नहीं लगा।

कुछ दिन बाद एक-एक करके सब रिश्तेदार वापस लौट गए। अब घर पहले की तरह चलने लगा। निधि के ससुर जी, उसका पति प्रतीक, और देवर अनुज सुबह सुबह ऑफिस चले जाते। अब घर में सिर्फ निधि और शालू ही रहते ।निधि अपनी देवरानी शालू को अपने घर के तौर -तरीके समझाती। और सबकी पसंद और नापसंद के बारे में बताती। शालू को भी अपनी जेठानी से बात करके अच्छा लगता । दोनों घंटों बातें करती रहती ।लेकिन जब शाम को सब लोग घर आते, तो सबकी जुबान पर सिर्फ निधि का नाम होता। ये देखकर शालू को निधि से थोड़ी ईर्ष्या होने लगी। लेकिन इन सबके बीच निधि की बेटी रूही अपनी चाची से काफी घुलमिल गई थी। पूरा दिन वह अपनी चाची के साथ खेलती रहती थी । और शालू भी उसको बहुत प्यार करती थी।

फिर एक दिन शालू ने घर में सब को खुशखबरी दी। इस दौरान निधि ने उसका खूब अच्छे से ख्याल रखा। और नियत समय पर शालू ने एक प्यारी- सी बेटी को जन्म दिया । घर में सब बहुत खुश थे। नन्ही परी का सबने खूब धूमधाम से स्वागत किया। शालू भी ऐसा परिवार पाकर खुद को खुशकिस्मत समझ रही थी।

अब धीरे-धीरे शालू की बेटी भी 2 साल की होने को आई थी। घर की दोनों बच्चियां साथ साथ खेलती और साथ-साथ खाती। ऐसे ही समय बीत रहा था कि एक दिन निधि चक्कर खाकर गिर पड़ी। डॉक्टर को बुलाया गया , तो पता चला कि निधि गर्भवती है। घर पर सब बहुत खुश ह थे। अब शालू की बारी थी अपनी जेठानी निधि का ख्याल रखने की। लेकिन पता नहीं क्यों शालू निधि के लिए कुछ भी करने से कतराती थी क्योंकि उसके मन में अपनी जेठानी के लिए जलन धीरे-धीरे बढ़ने लगी थी । निधि हर तरह से उसे अपने आगे ही दिखती थी ,चाहे रूप रंग हो व्यवहार हो।

फिर एक दिन शालू की बड़ी बहन उससे मिलने उसके ससुराल आती है । दोनों बहने कमरे में बैठकर बातें कर रही थी। निधि भी उनके साथ ही बैठी थी लेकिन किसी काम से निधि को बाहर जाना पड़ा। शाम को सबके घर वापस आने के बाद सबके मुंह पर निधि का नाम सुनकर शालू की बहन को बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा।

उसने कहा,₹शालू तुम्हारी शादी को चार बरस हो गए लेकिन अभी तक तुम इस परिवार में अपनी जगह नहीं बना पाई । जिसको देखो निधि निधि की रट लगाए रखता है। क्या तुम्हें अच्छा लगता है यह सब.."

"नहीं दीदी ! सच बोलूं तो मुझसे यह सब बिल्कुल सहन नहीं होता। मुझे निधि भाभी से जलन होने लगी है। मैं देखती हूं बिना मेकअप के भी वह बहुत सुंदर दिखती है.... और हर कोई सिर्फ उन्हें ही प्यार करता है.. मेरा नाम तो कोई लेता भी नहीं है।

"सही कहा शालू , मैं भी यह सब देख रही हूं तुम्हें कुछ करना चाहिए"

"हां दीदी ! और अब एक और चिंता मुझे यह हो रही है कि अगर निधि भाभी ने अबकी बार बेटे को जन्म दे दिया तो घर में उनकी अहमियत और बढ़ जाएगी। और मेरी रही सही अहमियत भी खत्म हो जाएगी ।निधि भाभी जब हंसते मुस्कुराते बात करती हैं तो मैं अंदर तक जल भुन जाती हूं। मैं क्या करूं कुछ समझ नहीं आ रहा..."

"कुछ नहीं तुम सिर्फ इतना करो कि सब के मुंह पर निधि की जगह तुम्हारा नाम ₹₹ शालू की बहन ने सुझाव दिया

शालू को सलाह देकर उसकी दीदी वापस लौट गई ।अब शालू ने धीरे-धीरे निधि से बात करना बंद कर दिया ।निधि ने वजह जानी चाही,

तभी शालू कहने लगी ,₹मेरा मन नहीं होता आप से बात करने का। इस घर में सिर्फ आपकी ही चलती है। मेरी कोई जगह ही नहीं है। और ना ही आपने मुझे वह जगह बनानी दी"

यह सुनकर निधि हैरान रह गई। उसे नहीं पता था कि उसकी देवरानी के दिल में उसके लिए इतना

कुछ भरा है। फिर भी वह चुप रही। सोचा समय के साथ सब ठीक हो जाएगालेकिन अब तो बात -बात पर शालू अपनी जेठानी को उल्टी-सीधी बातें सुनाने लगी। धीरे-धीरे उसने उसकी बेटी रूही को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया । अपनी बेटी को रूही से अलग रखने लगी । निधि को यह सब बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था लेकिन घर की सुख शांति के लिए वह चुप ही रही।

धीरे-धीरे शालू की हिम्मत और बढ़ती गई। निधि यह सब बातें घर में किसी को नहीं बताती थी और इसी का फायदा शालू ने उठाया ।लेकिन अब दिन रात शालू को इस बात की टेंशन होने लगी कि कहीं निधि बेटे को जन्म ना दे। और उसकी जलन ने नफरत का रूप ले लिया। और इसी नफरत के चलते एक दिन उसने निधि को गिराने का फैसला किया ताकि उसका बच्चा गिर जाए। निधि इन सब बातों से अनजान थी।

एक दिन शालू कोई सीरियल देख रही थी और उसके मन में एक विचार आया। जैसे ही उसकी जेठानी निधि नहा कर बाथरूम से बाहर निकलने वाली थी उसने बाथरूम के बाहर थोड़ा सा तेल गिरा दिया ताकि निधि गिर जाए ।यह सब करते समय भी उसके मन में एक बार भी अपनी जेठानी की अच्छाइयां नहीं आई ।और ना ही वह समय याद किया जब उसकी गर्भावस्था के दौरान उसकी जेठानी ने उसका कितना ख्याल रखा था ।उसके दिल में तो सिर्फ नफरत ही नफरत भरी थी।

जैसे ही निधि नहा कर बाहर निकलने लगी उसी दौरान उसके पति का उधर से गुजरना हुआ। निधि गिरने ही वाली थी कि उसके पति प्रतीक ने उसे संभाल लिया। लेकिन फिर भी निधि को झटका लगा और वह दर्द से चिल्लाने लगी । प्रतीक उसको लेकर तुरंत हॉस्पिटल में भागा। डॉक्टर को आनन-फानन में निधि का ऑपरेशन करना पड़ा क्योंकि उसके बच्चे की जान खतरे में आ गई थी। घंटों की मशक्कत के बाद निधि ने एक बेटे को जन्म दिया । घर पर सब बहुत खुश हुए। निधि भी बहुत खुश थी। लेकिन अभी उसके दिल और दिमाग में कुछ और ही बात चल रही थी। 2 दिन बाद वह अपने बेटे को घर लेकर आई।

जैसे ही शालू उसके पास आई निधि ने कहा,₹शालू ! मैंने तुम्हें अपनी छोटी बहन की तरह समझा । पर मुझे नहीं पता था कि तुम्हारे मन में मेरे लिए इतनी ईर्ष्या भरी है.... तुम्हें मुझसे इतनी नफरत हो गई कि तुमने मेरे बच्चे को गिराने की साजिश रच दी..."

"नहीं भाभी !आपको गलतफहमी हुई है। मैंने ऐसा कुछ भी नहीं किया ₹शालू ने नजरें चुराते हुए कहा

"तुमने जब बाथरूम के बाहर तेल बिखेरा था और उसके ऊपर जब मैं फिसली थी,तो तुम वही दरवाजे की साइड में खड़ी थी... गिरते-गिरते मैंने तुम्हारे चेहरे की वह कुटिल मुस्कान देख ली थी...तुम्हारे मन में नफरत इस कदर भर गई कि तुम एक नन्ही सी जान को मारने पर तुल आई। अपनी ईर्ष्या और जलन की वजह से तुम बहुत नीचे गिर गई शालू....₹अब तक मैं सब सहन कर रही थी। सोचा था कि तुम सुधर जाओगी...में इस घर के हिस्से नहीं होने देना चाहती थी....लेकिन अब मुझे लगता है कि ऐसे रिश्तों से दूर हो जाना ही बेहतर है...जहां पर लोग अपने स्वार्थ और जलन के चलते एक - दूसरे को नुकसान पहुंचाए। तुम अपनी नफरत में इतनी अंधी हो गई की तुमने सब कुछ भुला दिया। अब हमारा साथ रहने का कोई मतलब नहीं है ।बेहतर होगा के हम सब दूर दूर रहें.."

"भाभी मुझे माफ़ कर दो...मुझसे गलती हो गई...आगे से ऐसा कुछ भी नहीं होगा...₹शालू ने कहा

"गलती नहीं तुमने पाप किया है...एक अजन्मे बच्चे को मारने का प्रयास किया है.. मैं तुम्हे कभी माफ नहीं करूंगी।"

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट

खोखली बातों से नहीं बचेगी जैव विविधता : विजय गर्ग

अपने आसपास जो जैव विविधता हम देखते हैं उसे तैयार होने में दो से तीन अरब वर्ष लगे हैं। अत्यधिक उद्योगीकरण, उपभोक्तावाद, तीव्र अनियोजित कृषि एवं शहरीकरण से पारिस्थितिकी तंत्र की सर्वाधिक नुकसान पहुंचा है। यह जलवायु में नकारात्मक परिवर्तन के रूप में हमारे सामने है। जैव विविधता का संरक्षण इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि समस्त जीव- जंतु, पादप, सरीसृप एक-दूसरे पर निर्भर हैं। विभिन्न प्रजातियों की आपसे सहजीविता प्रकृति के संतुलन के लिए जरूरी है। जैव विविधता की संपन्नता के लिए विख्यात कोलंबिया के कैली शहर में इन दिनों संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन चल रहा है। एक नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन में 190 देशों के 12 हजार से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में 2022 में कनाडा के मांट्रियल में अपनाया गया कुनमिंग मांट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचा (जीबीएफ) एक बड़ी उपलब्धि है। कोलंबिया में इस संधि के क्रियान्वयन की समीक्षा की जा रही है। कुनमिंग मांट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचे में 23 लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। इनमें 30 प्रतिशत जमीन और समुद्री क्षेत्र की जैव विविधता की सुरक्षित करना तथा प्लास्टिक जनित प्रदूषण पर रोक सबसे प्रमुख हैं। जीबीएफ में ऐसे सब्सिडी पर रोक लगाने का भी उल्लेख है, जो पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ावा देती हो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह वैश्विक वार्ता इसलिए प्रासंगिक हो गई है, क्योंकि यहां बनी सहमति का सीधा असर अजरबैजान में प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु सम्मेलन (कोप-29) में दिखेगा।

प्रजातियों से बचेगी जैव विविधता जलवायु परिवर्तन भूमि और समुद्र में प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट पैदा करता है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तापमान बढ़ने के साथ यह संकट और भी बढ़ जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसर जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया में प्रजातियों की संख्या में एक हजार गुना वृद्धि हो रही है यह मानव इतिहास में किसी भी अन्य समय की तुलना में कहीं अधिक है। वहीं दूसरी और अगले कुछ दशकों में दस लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा भी है। जंगल की आग, चरम मौसमी घटनाएं और आक्रामक कोट और बीमारियां जलवायु परिवर्तन से संबंधित अन्य खतरे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ प्रजातियां स्थानांतरित होकर जीवित रह पाएंगे, पर अन्य नहीं जलवायु विविधता के नष्ट होने से मत्स्य पालन, फसलें और पशुधन के खत्म होने का खतरा रहता है। इससे उनकी उत्पादकता कम होती है। समुद्र के अधिक अम्लीय होने से अरबों लोगों को भोजन देने वाले समुद्री संसाधन सिकुड़ रहे हैं। कई आर्कटिक क्षेत्रों में बर्फ के आवरण में परिवर्तन ने पशुपालन, शिकार और मछली पकड़ने से खाद्य आपूर्ति को बाधित किया है। गर्मी से घस के मैदन और पानी कम हो सकते हैं, जिससे फसल की पैदावार कम हो सकती है और पशुधन प्रभावित हो सकता है। स्थानीय समुदाय को प्राथमिकता जैव

विविधता के संरक्षण के लिए जितनी भी नीतियां बनाई जाती हैं, उनका क्रियान्वयन स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर निर्भर करता है। स्थानीय समुदाय उस क्षेत्र के पारिस्थितकी तंत्र एवं जलवायु से परिचित होते हैं। ऐसे में उनका पारंपरिक ज्ञान जैव विविधता के संरक्षण में उपयोगी साबित होता है। भारत आज पर्यावरण अनुकूल पहल के नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा है तो इसके पीछे समुदायों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता एवं प्राचीन परंपराएं हैं। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार भारत में जंगली पौधें की 45,000 प्रजातियां हैं। इनमें से 7,500 प्रजातियां स्वदेशी स्वास्थ्य प्रथाओं के लिए औषधीय उपयोग में हैं। लगभग 3,900 पौधों की प्रजातियों का उपयोग आदिवासी भोजन के रूप में करते हैं। इनके अलावा कई पौधों का उपयोग लकड़ी, भवन निर्माण सामग्री के रूप में किया जाता है। 700 प्रजातियां नैतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, सैंदर्य और सामाजिक दृष्टिकोण से सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। भारत ने दिखाई राह जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन में भारत के पास साझा करने के लिए बहुत कुछ है। भारत ने नीतियों, नवाचार, सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग तंत्र विकसित करने की वकालत की है। हमारे पास विश्व के कुल भूमिक्षेत्र का 2.4 प्रतिशत है, लेकिन हमारी वैश्विक जातीय विविधता 8.1 प्रतिशत है। भारत सरकार ने जैव विविधता के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं। वन्यजीव संरक्षण की दिशा में 1972 में पारित वन्यजीव संरक्षण अधिनियम जहां मील का पत्थर साबित हुआ है, वहीं अन्य नीतिगत उपक्रमों का सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। इनमें प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलीफेंट प्रोजेक्ट डाल्फिन प्रमुख नीतिगत पहल हैं। 20वीं सदी के मध्य तक देश में शिकार, मानवीय गतिविधियों एवं पर्यावास की कमी के कारण बाघों की संख्या में निरंतर गिरावट आ रही थी, लेकिन अब भारत विश्व के 70 प्रतिशत से अधिक बाघ का निवास है। भारत अपने संपूर्ण जीव- जंतुओं की सूची तैयार करने वाला विश्व का पहला देश है। इस सूची में कुल एक लाख चार हजार 561 प्रजातियां हैं। समुद्री जैव विविधता संरक्षण केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे क्षेत्रों में समुद्री जैव विविधता के संरक्षण और निरंतर उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने सितंबर 2024 में राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता समझौते (बीबीएनजे) पर हस्ताक्षर किया है। इसे हाईसीज संधि के नाम से भी जाना जाता है 100 से अधिक देश इस पर हस्तारक्ष कर चुके हैं। बीबीएनजे संधि समुद्री संसाधनों के दोहन में समावेशी पद्धतियों को प्रोत्साहित करती है। इसपर हस्ताक्षर करने वाले देश को उच्च समुद्री क्षेत्र से हासिल किए गए संसाधनों का समुचित वितरण करना होगा। यह संधि समुद्री संरक्षित क्षेत्र, समुद्री प्रौद्योगिकी, दक्षता संवर्धन, पर्यावरणीय प्रभाव के आकलन जैसे चार क्षेत्रों के लिए नियम बनाती है। बीबीएनजे समझौता संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के तहत सदस्य देश पर अनिवार्य रूप से लागू होता है। समुद्री सीमा में नेविगेशन, ओवरफ्लाइट पनडुब्बी संचलन और पाइपलाइन बिछाने आदि कार्य सभी के लिए खुले होते हैं। कुलमिलाकर जैव विविधता का संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से संबंधित हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का पूर्वानुमान लगाकर ही जैव विविधता संरक्षण संभव है। जैव विविधता के समक्ष संकट की सबसे बड़ी वजह आक्रामक उपभोक्तावादी प्रवृत्ति है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई एक पेड़ काटा जाता है तो न जाने कितने सूक्ष्म जीवों का पर्यावास नष्ट होता है। जैव विविधता नष्ट होने से आनुवंशिक विविधताएं खत्म होती हैं। एक जाति आनुवंशिक स्तर पर अपने वितरण क्षेत्र में बहुत विविधताएं दर्शाती है। देश में धान की अनेक प्रजातियां अब खाद्य श्रृंखला से इसलिए बाहर हो गई हैं, क्योंकि अत्यधिक उत्पादन की प्रतिस्पर्धा में हम संकर और आनुवंशिक रूप से रूपांतरित बीजों पर जरूरत से अधिक निर्भर होने लगे। कुछ ही फसलों पर निर्भरता ने जैव विविधता को नष्ट करने का काम किया है। कुछ दशक पहले गांवों में टमाटर, मिर्च की अनेक किस्में खेतों और गृह वाटिका में उगाई जाती थीं। ऐसे में जैव विविधता के संरक्षण के लिए नीतिगत पहल और वैज्ञानिक नवाचार के साथ पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं और पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों को भी बढ़ावा देना होगा।

रेलवे ला रहा सुपर ऐप, टिकट बुकिंग और ट्रेन ट्रैकिंग से लेकर शिकायत करने की भी मिलेगा सुविधा

परिवहन विशेष न्यूज

इस साल के आखिर तक भारतीय रेलवे अपना सुपर ऐप लॉन्च करने वाला है। यह यात्रियों के लिए वन-स्टॉप सेवा होगी। अभी रेल यात्रियों को टिकट बुकिंग ट्रेन ट्रैकिंग और किसी असुविधा की शिकायत करने के लिए अलग-अलग ऐप का इस्तेमाल करना पड़ता है। आइए रेलवे के नए सुपर ऐप के बारे में सबकुछ विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। रेल यात्रियों को अभी रेलवे की अलग-अलग सुविधाओं का लाभ उठाने कई ऐप डाउनलोड करने पड़ते हैं। लेकिन, जल्द ही उनका रेल यात्रा से जुड़ा हर काम एक ही ऐप के जरिए हो जाएगा। इसे मुमकिन बनाएगा रेलवे का सुपर ऐप।

दरअसल, रेलवे अलग-अलग यात्री सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाने वाला है और इसके लिए व्यापक मोबाइल एप्लिकेशन भी लॉन्च करने की तैयारी हो रही है। यह 'सुपर ऐप' साल के आखिर तक पेश किया जा सकता है।

रेलवे सुपर ऐप से क्या होगा फायदा?

अभी रेल यात्री टिकट बुक करने, प्लेटफॉर्म पास खरीदने, समय-सारिणी चेक करने और अन्य काम के लिए अलग-अलग ऐप का इस्तेमाल करते हैं। कई थर्ड पार्टी भी पीएनआर स्टेटस चेक करने से लेकर टिकट बुक करने की सहूलियत देते हैं। लेकिन, रेलवे के सुपर ऐप की मदद से ये सभी काम एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जा सकेंगे।

यह एप्लीकेशन रेलवे के लिए टिकटिंग, खानपान और पर्यटन सेवाएं उपलब्ध करने वाली कंपनी IRCTC (भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम) के मौजूदा सिस्टम के साथ मिलकर काम करेगा।

कौन बना रहा है रेलवे का सुपर ऐप?

रेलवे के सुपर ऐप को क्रिस (रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र) डेवलप कर रहा है। यह रेलवे की सूचना प्रणालियों को डिजाइन, विकसित, कार्यान्वित और रखरखाव करने का काम करता है। आईआरसीटीसी यात्रियों के साथ सीआरआईएस के इंटरफेस के रूप में जारी रहेगा। आईआरसीटीसी और नियोजित ऐप के बीच इंटीग्रेशन का काम चल रहा है।

आईआरसीटीसी 'सुपर ऐप' को कमाई का एक और जरिया मानता है। वित्त वर्ष 2023-24 में आईआरसीटीसी ने 1,111.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। इस दौरान उसका रेवेन्यू 4,270.18 करोड़ रुपये रहा। 45.3 करोड़ से अधिक बुकिंग के साथ टिकट बिक्री ने कुल राजस्व में 30.33 फीसदी का योगदान दिया।

कितने ऐप का इस्तेमाल करते हैं रेल यात्री?

अभी रेल यात्रियों के लिए आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट (टिकट बुकिंग के लिए), आईआरसीटीसी ई-कैटरिंग फूड ऑन ट्रैक (भोजन वितरण के लिए), रेल मदद (फीडबैक के लिए), अनारक्षित टिकट प्रणाली (अनारक्षित टिकटों के लिए) और राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली (ट्रेन ट्रैकिंग के लिए) शामिल हैं।

IRCTC रेल कनेक्ट के पास आरक्षित टिकट बुकिंग के लिए विशेष अधिकार हैं। इसलिए 100 मिलियन से अधिक डाउनलोड के साथ यह रेलवे का सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला एप्लिकेशन है। थर्ड पार्टी के बुकिंग प्लेटफॉर्म भी रिजर्वेशन के लिए आईआरसीटीसी पर निर्भर हैं।

सोना 1300 रुपये गिरकर 81100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी 4600 रुपये लुढ़की

सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आ गईं और 1,300 रुपये की गिरावट के साथ 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। चांदी भी सोमवार को बिकवाली के दबाव में रही और इसकी कीमत 4,600 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के साथ 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की ताजा बिकवाली के चलते सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आ गईं और 1,300 रुपये की गिरावट के साथ 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली इस बहुमूल्य धातु का भाव गुरुवार को 82,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर था, जो इसका सर्वकालिक उच्च स्तर है।

चांदी पर भी दिखा बिकवाली का दबाव

चांदी भी सोमवार को बिकवाली के दबाव में रही और इसकी कीमत 4,600 रुपये की गिरावट के साथ 95,000 रुपये के स्तर से नीचे 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। गुरुवार को चांदी 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

व्यापारियों ने कहा कि स्थानीय बाजारों में आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की कमजोर मांग के कारण सोने की कीमतों पर असर पड़ा। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,300 रुपये घटकर 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। गुरुवार को पिछले सत्र में सोना 82,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जो इसका अब तक का उच्चतम स्तर है।

एमसीएक्स पर दिसंबर डिलिवरी वाला सोने का अनुबंध चढ़ा

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोमवार को वायदा कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 329 रुपये यानी 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,538 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।

बाजार के जानकारों के अनुसार, ₹सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया क्योंकि कॉमेक्स सोने को 2,730 अमेरिकी डॉलर के आसपास समर्थन मिला, लेकिन 2,750 अमेरिकी डॉलर से ऊपर जाने में संघर्ष करना पड़ा।"

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों से पहले बाजार में मिश्रित भावना की उम्मीद

एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी व करेंसी के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने कहा, ₹अगले दो दिनों में अमेरिकी चुनाव के नतीजे आने वाले हैं, जिससे बाजार सहभागियों में मिश्रित धारणा रहने की उम्मीद है, इसके परिणामस्वरूप एमसीएक्स में कारोबार 78,000 रुपये से 79,000 रुपये के बीच सीमित दायरे में रहने की संभावना है।"

अब इंडिगो भी देगी एयर इंडिया-विस्तारा जैसी सुविधा; इंडिगो स्ट्रेच के साथ बिजनेस क्लास में एंट्री

परिवहन विशेष न्यूज

किफायती सेवाएं देने के लिए मशहूर इंडिगो अब प्रीमियम सेगमेंट पर भी फोकस बढ़ा रही है। घरेलू विमानन कंपनी ने इंडिगो स्ट्रेच के रूप में बिजनेस क्लास सर्विस पेश की है। एयरलाइन इसमें बेहतरीन ट्रैवल एक्सपीरियंस देने का वादा कर रही है। इंडिगो ने अपने यात्रियों को लजीज खाने का अनुभव देने के लिए ओबेरॉय कैटरिंग सर्विसेज के साथ साझेदारी की है।

नई दिल्ली। भारत की किफायती विमानन कंपनी- इंडिगो एयरलाइंस भी अब बिजनेस-क्लास सर्विस देने वाली है। इसने अपने नए बिजनेस क्लास विमान के अंदरूनी हिस्से की झलक दिखाई है, जिसे इंडिगो स्ट्रेच नाम दिया गया है। इंडिगो ने इस नए प्रोडक्ट का एलान अगस्त में किया था, अपनी 18वीं वर्षगांठ के जश्न के तौर पर।

अब इंडिगो से सफर करने वाले यात्री बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद जैसे प्रमुख मेट्रो शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट के लिए बिजनेस क्लास की सीटें बुक कर सकेंगे। इससे इंडिगो अब टाटा समूह के मालिकाना हक वाली एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा की कतार में आ गई है, जो फिलहाल में देश में बिजनेस-क्लास सेवाएं प्रदान करने वाली बड़ी एयरलाइन हैं।

हालांकि, इंडिगो का कहना है कि उसका अफोर्डेबल सेगमेंट पर फोकस बरकरार रहेगा। बिजनेस क्लास पेश करने का मकसद सिर्फ यात्रियों को ज्यादा विकल्प देना है। एयरलाइन ने दिल्ली-मुंबई मार्ग के लिए 18,018 रुपये के शुरुआती किराए पर अपनी बिजनेस क्लास सेवा शुरू की। इसके लिए बुकिंग अगस्त में ही शुरू हो गई थी। इंडिगो स्ट्रेच अगले साल के अंत तक सभी 12 रूट को कवर करना चाहती है।

इंडिगो स्ट्रेच में क्या खास है?

इंडिगो स्ट्रेच यात्रियों को बेहतरीन ट्रैवल एक्सपीरियंस देने का वादा करती है। इसमें 2 सीटों वाली विशाल संरचना में व्यवस्थित कूप-शैली की सीटिंग है। प्रत्येक सीट में 38 इंच की पिच और 21.3 इंच की चौड़ाई है, जिससे यात्रियों को आराम के लिए पर्याप्त जगह मिलती है।

इंडिगो स्ट्रेच सीट के हेडसेट को छह-तरफ एडजस्ट किया जा सकता है।

इसमें अधिक आराम के लिए 5 इंच तक झुकने वाली कुर्सी भी है।

श्री-पिन यूनिवर्सल पावर आउटलेट और 60-वाट यूएसबी टाइप-सी पावर सप्लाई भी है।

लजीज खाने का भी मिलेगा अनुभव

इंडिगो ने अपने यात्रियों को लजीज खाने का अनुभव देने के लिए ओबेरॉय कैटरिंग सर्विसेज के साथ साझेदारी की है। यह बिजनेस क्लास यात्रियों के लिए विशेष रूप से तैयार स्वस्थ भोजन के विकल्प उपलब्ध कराएगा। यात्रियों को मुफ्त शाकाहारी फूड बॉक्स और अलग-अलग पेय पदार्थ चुनने का विकल्प भी मिलेगा।

इंडिगो स्ट्रेच यात्रियों को कई कॉम्प्लिमेंट्री सर्विसेज भी मिलेंगी। जैसे कि उन्हें कोई सुविधा शुल्क नहीं देना होगा। वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एडवांस सीट सेलेक्शन कर सकते हैं। उन्हें चेक-इन प्रायोरिटी और बोर्डिंग प्रीविलेज भी मिलेगा।

इंडिगो स्ट्रेच के लिए विशेष केबिन डिजाइन

इंडिगो स्ट्रेच केबिन में 12 सीटें होंगी, जो आरामदायक 2-2 लेआउट में व्यवस्थित होंगी। वहीं, मानक 6E केबिन में 208 सीटों की व्यवस्था बनी रहेगी, जिसमें विमान के मध्य भाग में XL सीटिंग विकल्प भी शामिल है।

इंडिगो 2027 तक एयरबस A350-900 विमानों का संचालन शुरू कर सकती है। इसका मकसद घरेलू मार्गों पर अधिक आराम चाहने वाले यात्रियों को लुभाना है। फिलहाल 34 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन सहित 400 से अधिक मार्गों पर सेवा प्रदान करने वाली इंडिगो अपनी वैश्विक उपस्थिति का और विस्तार करने के लिए तैयार है।

क्यों क्रैश हुआ भारत का शेयर बाजार, पांच प्वाइंट में समझिए पूरी बात

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय शेयर मार्केट में सोमवार (4 नवंबर 2024) को भारी गिरावट दिखी। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों करीब 2 फीसदी गिर गए। इससे निवेशकों के करीब 8 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। रिलायंस और ONGC जैसी कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट आई है। आइए पांच प्वाइंट में समझते हैं कि भारतीय शेयर बाजार में इस भारी गिरावट की वजह क्या है।

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में दीवाली की छुट्टी के बाद सोमवार को भारी गिरावट दिखी। दोनों प्रमुख सूचकांक- सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में ही डेढ़ फीसदी (Share Market Crash) से अधिक गिर गए। सभी सेक्टर के शेयरों में बड़ी गिरावट दिखी। सबसे बड़ा झटका अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को लगा। यह शुरुआती कारोबार में करीब 4 फीसदी तक गिर गया था। आइए जानते हैं कि शेयर मार्केट में इस भारी गिरावट की क्या वजह है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता

अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। इस बार कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ी टक्कर देखी जा रही है। दोनों के आर्थिक और भू-राजनीतिक नजरिए और नीतियों में काफी ज्यादा फर्क है। यही वजह है कि निवेशक चुनाव नतीजे से पहले काफी सतर्क रुख अपना रहे हैं और उनका जोर बिकवाली पर है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दरों पर फैसला

अमेरिका के केंद्रीय बैंक- फेडरल रिजर्व की 7 नवंबर को मीटिंग होने वाली है। इसमें ब्याज दरों पर फैसला लिया जाएगा। पिछले कुछ समय में अमेरिका के इकोनॉमिक इंडिकेटर ने बेहतर संकेत दिया है। इससे ब्याज दरों में किसी बड़ी कटौती की उम्मीद कम हुई है। इससे भी भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता का माहौल बढ़ा है, क्योंकि कई कंपनियों का अमेरिका में बड़ा कारोबार है।

कच्चे तेल (Crude Oil) की बढ़ती कीमतों का असर

ओपेक+ ने रविवार को एलान किया कि वह कमजोर मांग और समूह के बाहर बढ़ती सप्लाई के चलते उत्पादन में अभी बढ़ोतरी नहीं करेगा। पहले ओपेक+ का इरादा दिसंबर में उत्पादन बढ़ाने का था। इससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा गया। यही वजह है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडियन ऑयल और ONGC जैसी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है।

वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के कमजोर नतीजे

वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी दूसरी तिमाही में कई बड़ी कंपनियों के वित्तीय नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। बजाज ऑटो, कोटक महिंद्रा बैंक, आरबीएल बैंक और इंडसइंड बैंक इसकी मिसाल हैं। कमजोर नतीजों के चलते भी निवेशकों का मनोबल कमजोर हुआ और वे इस वक्त बड़ा दांव लगाने से बच रहे हैं।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी

फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FII) भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय बाजार से 94,000 करोड़ रुपये (करीब 11.2 अरब डॉलर) की भारी निकासी की। यह निकासी के मामले में अब तक का सबसे खराब महीना बन गया। यह सिलसिला नवंबर में भी जारी है। विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के कारण बिकवाली करके चाइनीज मार्केट का रुख कर रहे हैं।

महंगाई का लगेगा झटका! चाय, बिस्कुट और साबुन-तेल जैसी चीजों के बढ़ सकते हैं दाम

साबुन तेल टूथपेस्ट और ग्रोसरी जैसे रोजमर्रा के सामान बनाने वाली FMCG कंपनियों का खाद्य मुद्रास्फीति और उत्पादन लागत बढ़ने से मार्जिन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इसका असर कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजों पर भी दिखा है। FMCG कंपनियां पाम ऑयल कॉफी और कोको जैसे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर करती हैं। इनका पिछले कुछ दिनों में तेजी से बढ़ा है।

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर, गोदरेज, मैरिको और आईटीसी जैसी फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (FMCG) कंपनियां उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका देने वाली हैं। दरअसल, खाद्य मुद्रास्फीति और उत्पादन लागत बढ़ने से साबुन, तेल, टूथपेस्ट और ग्रोसरी जैसे रोजमर्रा के सामान बनाने वाली FMCG कंपनियों का मार्जिन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इसका असर कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजों पर भी दिखा है।

अगर कंपनियों के लिए कच्चे माल की लागत का प्रबंधन मुश्किल हो जाएगा तो इससे कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। जहां तक कॉफी और कोको की कीमतों का सवाल है, हम खुद एक मुश्किल स्थिति का सामना कर रहे हैं।

FMCG कंपनियों की लागत क्यों बढ़ी?

FMCG कंपनियां पाम ऑयल, कॉफी और कोको जैसे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर करती हैं। पिछले कुछ दिनों में इन चीजों के दाम में भारी उछाल आई है। इससे कंपनियों की मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट बढ़ गई है, जिसकी भरपाई के लिए कुछ कंपनियां दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (GCPL), मैरिको, आईटीसी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (TCPL) ने शहरी खपत में कमी पर चिंता जताई है। एफएमसीजी सेक्टर की कुल बिक्री में शहरी खपत की हिस्सेदारी 65-68 प्रतिशत रहती है।

स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है कि हाल की तिमाहियों या तिमाही में शहरी वृद्धि प्रभावित हुई है। ग्रामीण क्षेत्र में धीमी वृद्धि जारी है और अब पिछली कुछ तिमाहियों से यह शहरी क्षेत्र से आगे है और इस बार भी शहरी क्षेत्र से आगे है।

शहरों से ज्यादा गांवों में हो रही खपत

जीसीपीएल के एमडी और सीईओ सुधीर सीतापति ने दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा पर कहा, 'हमें लगता है कि यह एक अल्पकालिक झटका है और हम विवेकपूर्ण मूल्य वृद्धि और लागत को स्थिर करके मार्जिन को ठीक कर लेंगे।' खास बात यह है कि ग्रामीण बाजार, जो पहले पीछे थे, ने शहरी बाजारों की तुलना में अपनी वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है।

एक अन्य एफएमसीजी कंपनी डाबर इंडिया ने भी कहा कि सितंबर तिमाही में मांग का माहौल चुनौतीपूर्ण था, जिसमें 'उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और शहरी मांग में कमी' शामिल थी। कंपनी का सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 17.65 प्रतिशत कम होकर 417.52 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान कंपनी की परिचालन आय 5.46 प्रतिशत घटकर 3,028.59 करोड़ रुपये रही है।

'हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले', कनाडा को पीएम मोदी का सख्त संदेश; कहा- राजनयिकों को डराने-धमकाने...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा को सख्त लहजे में संदेश दिया है और कहा है कि प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि कनाडा ने हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें की हैं। साथ ही पीएम मोदी ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए हमले की भी निंदा की है। पढ़ें पीएम मोदी ने क्या-क्या कहा।

नई दिल्ली। कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हुए हमले को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त लहजे में प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि कनाडा में हिंदू मंदिर पर जानबूझकर हमला किया गया है और वह इसकी निंदा करते हैं।

पीएम मोदी ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।'

हिंदू मंदिर को बनाया गया था निशाना

इससे पहले कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू महासभा मंदिर को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाया था। चरमपंथियों ने हिंदू भक्तों पर भी हमला किया। हमलों के बाद, कनाडा में हिंदू समुदाय के लिए काम करने वाले एक गैर-लाभकारी संगठन हिंदू कैनेडियन फाउंडेशन ने मंदिर पर हमले का एक वीडियो साझा किया और कहा कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने बच्चों और महिलाओं पर हमला किया।

भारतीय उच्चायोग ने की थी हमले की निंदा

घटना पर ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी और कहा था कि ये बेहद परेशान करने वाला है। उच्चायोग ने कहा कि स्थानीय सह-आयोजकों के पूर्ण सहयोग से हमारे वाणिज्य दूतावासों द्वारा आयोजित किए जा रहे नियमित कांसुलर कार्य के लिए इस तरह के व्यवधानों को अनुमति देना बेहद निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं, जिनकी मांग पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

उच्चायोग ने ये भी कहा कि इन घटनाओं और भारतीय राजनयिकों को मिल रही धमकियों के मद्देनजर अब जो भी निर्धारित वाणिज्य दूतावास शिविरों का आयोजन होगा वो केवल स्थानीय अधिकारियों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था पर ही निर्भर करेगा। उच्चायोग ने अपने बयान में ये भी कहा कि यदि इस तरह के व्यवधानों के कारण कोई शिविर आयोजित नहीं किया जाता है, तो उन सेवाओं को प्रदान करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। हालांकि, इन सेवाओं के स्थानीय उपयोगकर्ताओं को असुविधा पहुंचा सकती हैं।

कांग्रेस की शिकायत पर हटाई गईं महाराष्ट्र की डीजीपी रश्मि शुक्ला, विवेक फनसालकर को मिला अतिरिक्त प्रभार

परिवहन विशेष न्यूज

मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर को सोमवार को राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे कुछ घंटे पहले ही चुनाव आयोग के आदेश पर मौजूदा डीजीपी रश्मि शुक्ला का तबादला कर दिया गया था। यह दूसरी बार है जब फनसालकर को राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुंबई। चुनाव आयोग ने कांग्रेस की शिकायत पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला को उनके पद से हटा दिया है। रश्मि शुक्ला के तबादले के बाद मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर को सोमवार को राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले, चुनाव आयोग ने सोमवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह विपक्षी कांग्रेस सहित राजनीतिक दलों की शिकायतों के बाद महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी शुक्ला का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दे।

फनसालकर को अतिरिक्त प्रभार

चुनाव निकाय ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वह शुक्ला का प्रभार कैडर के अगले सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को सौंप दें। अधिकारी ने बताया कि तदनुसार, 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी फनसालकर को नए राज्य पुलिस प्रमुख की नियुक्ति होने तक डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

यह दूसरी बार है जब फनसालकर को राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। तत्कालीन डीजीपी रजनीश सेठ की सेवानिवृत्ति के बाद वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को अस्थायी रूप से 10 दिनों के लिए - 31 दिसंबर 2023 से 9 जनवरी 2024 तक - राज्य पुलिस प्रमुख की भूमिका सौंपी गई थी।

कैसे आई सुर्खियों में

सिर्फ 22 साल की उम्र में आईपीएस बन जानेवाली रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की पहली पुलिस

महानिदेशक हैं। वह 2019 में राज्य की खुफिया प्रमुख रहने के दौरान विपक्षी नेताओं की फोन टैपिंग के कारण सुर्खियों में रही हैं।

उसके बाद राज्य में महाविकास आघाड़ी की सरकार आने के बाद उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने के आदेश दे दिए गए थे। तब उनके अनुरोध पर केंद्र सरकार ने उन्हें प्रतिनियुक्ति पर सशस्त्र सीमा बल का महानिदेशक बना दिया था।

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन होने पर उन्हें पुनः महाराष्ट्र बुलाकर उन्हें महाराष्ट्र का डीजीपी बना दिया गया था। वह इसी वर्ष जून में सेवानिवृत्त भी हो चुकी हैं। लेकिन उन्हें राज्य सरकार ने सेवा विस्तार दे दिया है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद से ही कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल रश्मि शुक्ला को हटाने की घोषणा करते आ रहे थे।

पद पर बदलाव से इनकार

विपक्षी दलों का मानना था कि रश्मि शुक्ला के पद पर रहते चुनाव निष्पक्ष नहीं हो सकते। शुरुआत में चुनाव आयोग ने डीजीपी के पद पर बदलाव से इनकार कर दिया था। लेकिन आज विपक्षी दलों की मांग स्वीकार करते हुए रश्मि शुक्ला को हटाने एवं किसी नए डीजीपी के नेतृत्व में चुनाव कराने का फैसला किया है।

सड़क पर आवारा सांड के हमले से 65 वर्षीय बुजुर्ग घायल, दिवाली की शाम बनी दुःस्वप्न

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद, शिवलोक अपार्टमेंट: दिवाली की शाम एक भयावह घटना का गवाह बनी, जब आवारा सांड ने 65 वर्षीय श्री रवि शंकर श्रीवास्तव पर हमला कर दिया। श्रीवास्तव जी, जो स्थानीय RWA के सक्रिय सदस्य हैं, प्रतिदिन की तरह अपनी सैर पर निकले थे। जैसे ही उन्होंने सोसाइटी के बाहर कदम रखा, आवारा सांड ने उन्हें घेर लिया और अचानक हुए हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। श्रीवास्तव जी सड़क पर बेसुध गिर गए और सिर पर गंभीर चोट आई। सीटी स्कैन और दिवाली के पावन पर्व पर अस्पताल के चक्कर ने मानसिक रूप से भी गहरा प्रभाव डाला। अब रोड सेफ्टी टीम और सीनियर सिटीजन सेल मिलकर इस मामले को गंभीरता से उठा रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से अन्य निवासियों को बचाया जा सके। पहले भी यहां ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, और स्थानीय निवासी सड़क किनारे आवारा पशुओं को खाना खिलाते हैं, जिससे उनकी संख्या बढ़ जाती है। यदि भोजन कराना है, तो इसे गोशाला में करें, सड़क पर नहीं।

इस घटना के बाद से इलाके के निवासी सड़कों पर निकलने से डर रहे हैं। यह वही क्षेत्र है जिसे अगस्त 2024 में प्रकाशित एक विशेष रिपोर्ट में आवारा पशुओं की समस्या के लिए चिन्हित किया गया था, लेकिन ऐसी गंभीर दुर्घटना के बाद अब खतरे का स्तर और बढ़ गया है।

मांग उठी कड़ी कार्रवाई की: घटना से व्यथित निवासियों ने संबंधित अधिकारियों से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ लोग अपने मवेशियों को खाने-चरने के लिए सड़कों पर छोड़ देते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। श्रीवास्तव जी के परिवार ने भी संबंधित विभागों से तत्काल कदम उठाने की अपील की है ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री ने भी अधिकारियों को सड़कों से आवारा पशुओं को हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन इस गंभीर घटना ने प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही को उजागर कर दिया है।

किसानों के सामने बड़ा संकट, हाउती विद्रोहियों की वजह से देश में डीएपी की किल्लत; लाल सागर में बढ़ी टेंशन

रबी फसलों की बुआई का मौसम चल रहा है लेकिन लाल सागर में संकट की वजह से किसानों के सामने सबसे बड़ा संकट डीएपी का है। देश को प्रत्येक वर्ष खरीफ एवं रबी दोनों फसलों के लिए 90 से सौ लाख टन डीएपी की जरूरत पड़ती है जिसका करीब 40 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उत्पादन से पूरा होता है। बाकी के लिए हमें दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है।

नई दिल्ली। गेहूं समेत रबी फसलों की बुआई का मौसम चल रहा है, लेकिन लाल सागर में संकट की वजह से किसानों के सामने सबसे बड़ा संकट डीएपी का है। देश को प्रत्येक वर्ष खरीफ एवं रबी दोनों फसलों के लिए 90 से सौ लाख टन डीएपी की जरूरत पड़ती है, जिसका करीब 40 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उत्पादन से पूरा होता है। बाकी के लिए हमें दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। इस वर्ष भी देश में लगभग 93 लाख डीएपी की जरूरत बताई गई है, लेकिन घरेलू उत्पादन एवं आयात दोनों को मिलाकर उपलब्धता लगभग 75 लाख टन डीएपी की है।

इन देशों से आती है डीएपी

संकट दिख रहा है, लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों को आश्वस्त किया है कि उर्वरकों की कमी नहीं होने दी जाएगी। तरल संस्करण नैनो डीएपी के भी इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। डीएपी संकट के बारे में रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि हमारी निर्भरता दूसरे देशों पर ज्यादा है। मुख्य रूप से रूस, जार्डन एवं इजरायल से आयात करना पड़ता है।

हाउती विद्रोहियों ने बढ़ाई टेंशन

डीएपी के कच्चे माल के रूप में म्यूरेट

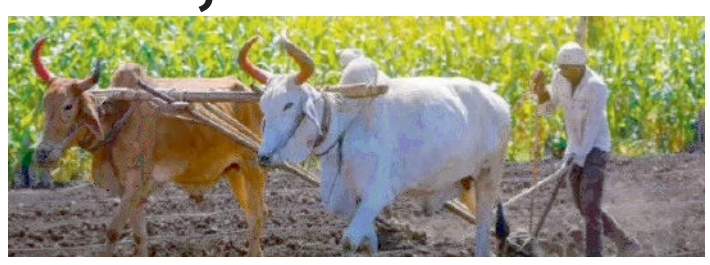

ऑफ पोटाश (एमओपी) का आयात जार्डन से करीब 30 प्रतिशत और इजरायल से 15 प्रतिशत होता है। हाल के दिनों में हाउती विद्रोहियों के आक्रमण के चलते लाल सागर का मार्ग अवरुद्ध होने से उर्वरक के जहाजों को दक्षिण अफ्रीका के रास्ते भेजना पड़ रहा है। इसके चलते पहले की तुलना में लगभग 6,500 किलोमीटर की दूरी अधिक तय करनी पड़ रही है। इसमें लगभग तीन सप्ताह का समय ज्यादा लग रहा है। दूरी और समय बढ़ने से उर्वरकों की आयात लागत बढ़ गई है। अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में भी वृद्धि हुई है।

बढ़ती जा रही डीएपी की मांग

तमाम चुनौतियों के बावजूद केंद्र सरकार ने किसानों को सस्ती दर पर उर्वरकों की उपलब्धता जारी रखते हुए कीमतों को भी स्थिर बनाए रखा है। किसानों को प्रत्येक 50 किलोग्राम डीएपी बैग के लिए 1,350 रुपये देने पड़ते हैं। कृषि के आधुनिकीकरण एवं उच्च उत्पादकता दर की जरूरत के हिसाब से डीएपी का आयात भी बढ़ता जा रहा है। 2019-2020 में 48.70 लाख टन डीएपी का आयात हुआ था, जो 2023-24 में बढ़कर 55.67 लाख टन तक पहुंच गया। इसी तरह 2023-24 में में डीएपी का घरेलू उत्पादन मात्र 42.93 लाख टन था।

पंजाब-हरियाणा से ज्यादा मांग

डीएपी की ज्यादा मांग पंजाब एवं हरियाणा से आ रही है, जहां रबी फसलों की बुआई प्रारंभ हो चुकी है। बाकी राज्यों में अभी धान की फसलें पूरी तरह नहीं कटी हैं। मध्य नवंबर और दिसंबर से अन्य राज्यों में भी मांग बढ़ने वाली है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने दावा किया है कि खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी। पंजाब में डीएपी की कमी के आरोपों को खारिज करते हुए ब्योरा भी दिया है कि केंद्र ने अक्टूबर में पंजाब को 92 हजार टन डीएपी एवं 18 हजार टन एनपीके की आपूर्ति की है।

कार अनियंत्रित होकर दीवार पर चढ़ गई

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर: कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराकर दीवार पर चढ़ गई। यह हादसा बलांगीर जिले के कांटाबंजिरु-बेलपाड़ा रोड पर कुरली गांव के पास हुआ। इतने बड़े हादसे में किसी को चोट नहीं आई, देर रात कार तेज गति से आई और बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे के बाद ड्राइवर को बचा लिया गया। कार्ति अभी भी दीवार पर लटकी हुई हैं। इसलिए यह पता नहीं चल पाया है कि ऐसा हादसा कैसे हुआ, ड्राइवर नशे में था या कोई और वजह थी।

राज्य कांग्रेस प्रमुख चुनने के लिए ओडिशा पहुंचे हैं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता चरण दास महंत

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: वरिष्ठ कांग्रेस नेता चरण दास महंत का भुबनेश्वर एयरपोर्ट मे स्वागत। चरण दास पार्टी नेताओं से चर्चा करेंगे। चरण दास ने कहा कि अफवाहों से इस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वह हाईकमान के निर्देश पर ओडिशा आये हैं। प्रदेश कांग्रेस के पीसीसी अध्यक्ष के लिए चयन प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है ।छत्तीसगढ़ के नेता चरणदास महंत आज राज्य कांग्रेस प्रमुख चुनने के लिए ओडिशा पहुंचे हैं, जबकि राज्य कांग्रेस प्रमुख की तलाश जारी है। वह प्रदेश के नेताओं से चर्चा करेंगे और एआईसीसी को रिपोर्ट देंगे। ये दोनों नेता कांग्रेस भवन में मुलाकात करेंगे। वहीं पीसीसी अध्यक्ष की दौड़ में वरिष्ठ नेता भक्त दास, मोहम्मद मोकिम और श्रीकांत जेना के नाम की चर्चा चल रही है। उन्होंने बताया कि अफवाहों का असर नहीं होगा।

"रोटी -बेटी-माटी" पर झारखंड में मोदी का फोकस

(कार्तिक परिच्छा)

सरायकेला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को झारखंड के गढबा एवं कोल्हान मुख्यालय चाईबासा में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से गर्मजोशी से मिलने के बाद बेटी माटी रोटी का नारा देकर टाटा कालेज मैदान में जेएमएम, कांग्रेस तथा राजद पर जमकर निशाना साधा। सिंहभूम की धरती पर उन्होंने जेएम एम से भाजपा में आये चंपाई सोरेन पर कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के कद्दावर नेता रहे पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को अपमानित करने से लेकर सीता सोरेन के साथ हुई बदसलुकी सब जानते हैं। भारतीय जनता पार्टी की लुभावनी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार झारखंड में आती है तो गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं को ₹2100 प्रति माह एवं ₹500 में रसोई गैस सिलेंडर तथा वर्ष में दो सिलेंडर फ्री दी जाएगी।

रोजगार पर उन्होंने कहा तीन लाख युवाओं को निष्ठापूर्वक नौकरी एवं पेपर लीक पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गयी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने आदिवासियों को सम्मान देने की सदैव प्रयत्न की है। देश के राष्ट्रपति के तौर पर भी एक आदिवासी महिला को भाजपा ने सुशोभित किया है। उन्होने

अस्सी दशक के गोवा गोलीकांड का जिक्र करते हुए कांग्रेस का करतुत बताया। आदिवासी आरक्षण में कांग्रेस को रोड़ा डालने बाला कहा तथा झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर आदिवासियों का हितैषी भाजपा को बताया।

इसे पहले पूर्वाह्न में गढबा में उन्होंने कहा कि झामुमो-कांग्रेस वालों ने गरीबों के घर के नाम पर भी धोखा ही दिया है। केंद्र की हमारी सरकार ने पीएम आवास योजना के तहत झारखंड में 16 लाख गरीबों के घर बनाए। यह आंकड़ा बहुत बड़ा होता है। यह घर किसको मिला? एससी, एसटी और ओबीसी, जिनके पास पक्का घर नहीं था, उन्हें मिला। करीब 1 लाख 15 हजार घर तो यहां गढ़वा जिले के गरीब परिवारों को मिले हैं।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'अब आप कह रहे थे कि यहां (गढ़वा) पहले कोई प्रधानमंत्री नहीं आया, यह मोदी पहला पीएम है जो यहां आया है। जो बड़े-बड़े अच्छे-अच्छे काम होते हैं न, वह मेरे ही नसीब में लिखे हुए हैं। अरे गढ़वा के लोगों का प्यार और आशीर्वाद पाने के लिए भी तो नसीब चाहिए। यह नसीब मोदी को मिला है, इसलिए आशीर्वाद लेने के लिए आपके पास आ गया।'

'झामुमो-कांग्रेस से आप पूछिए कि अबुआ आवास योजना का क्या हुआ? क्यों इस योजना के नाम पर विश्वासघात किया गया। अपने परिचित लहजे में कहा लोकसभा चुनाव के दौरान मैंने देशभर में तीन करोड़ नए घर बनाने की गारंटी दी थी। हमने सरकार बनते ही इस गारंटी पर काम भी शुरू कर दिया। अब झारखंड भाजपा ने भी 21 लाख नए आवास बनाने का संकल्प लिया है। झारखंड के हर गरीब के पास पक्का घर हो यह भाजपा की गारंटी है।'

देखिए... इस चुनाव में जब आप लोगों से मिलने जाएं तो कहीं भी आपको अगर लोग झुग्गी या कच्चे घर में रहते नजर आएं तो आप उनसे कहना कि यहां 23 तारीख के बाद भाजपा की सरकार बनने वाली है। और उनसे कहना कि मोदी जी आए थे और उन्होंने कहा है कि उसका घर अब पक्का बन जाएगा। मेरी तरफ से कह देना। आप ही मेरे लिए मोदी हैं। यहां का मेरा हर कार्यकर्ता मोदी है। आप मेरी तरफ से वादा कर देना। मैं पूरा करूंगा उसे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023